श्रावण कृष्ण - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 2 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 24-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नई प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करने की जरूरत : भागवत

6 मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

7 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ नजर आएंगी राशि खन्ना

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में नया जातिगत सर्वेक्षण 22 सितंबर से

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि सरकार 22 सितंबर से सात अक्टूबर तक राज्य में एक नया 'सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण' कराएगी। इस सर्वेक्षण को 'जातिगत सर्वेक्षण' के नाम से भी जाना जाता है। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को अक्टूबर के अंत तक रिपोर्ट पेश करने का कार्य सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण पर एक प्रारंभिक बैठक बुधवार को हुई। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''पिछड़ा वर्ग आयोग ने सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण कराने के लिए सरकार को प्रस्ताव सौंपा है। इसके अनुरूप राज्य के सभी सात करोड़ लोगों का सर्वेक्षण कराया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य जातिगत भेदभाव को खत्म करना है।''

यूपी में धर्मांतरण रैकेट के तीन और सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। मिशन अस्मिता के तहत पिछले दिनो अवैध धर्मांतरण के गिरोह का भंडाफोड़ करने वाली आगरा पुलिस ने बुधवार को गिरोह के तीन और सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही अब तक गिरोह के 14 सदस्य पुलिस के हत्थे चढ़ चुके है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अवैध धर्मांतरण के एक बड़े रैकेट का खुलासा करते हुये आगरा पुलिस ने 22 फरवरी तक 11 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने आज आईएसबीटी से तीन और सदस्यों को धर दबोचा। उन्होने बताया कि गिरफ्तार लोगों को जुनैद कुरैशी (30),अब्दुल्ला (20) और अब्दुल रहीम (27) शामिल है।

केवल चार 'नाविक' उपग्रह निर्धारित सेवाएं प्रदान कर रहे हैं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि भारतीय 'नाविक' प्रणाली द्वारा 'नेविगेशन' (मार्ग निर्देशन) के लिए कक्षा में स्थापित 11 उपग्रहों में से चार उपग्रह भू-स्थिति निर्धारण सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने बताया कि 11 उपग्रहों में से चार का उपयोग एकतरफ़ा संदेश प्रसारण के लिए किया जा रहा, दो लक्षित कक्षा तक नहीं पहुंच पाए और एक को उसकी उपयोग-अवधि समाप्त होने के बाद निष्क्रिय कर दिया गया। सिंह ने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) इस साल के अंत तक एनवीएस-03 उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है।

24-07-2025 सूर्यास्त 6:38 बजे | 25-07-2025 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
82,726.64 (+539.83)	25,219.90 (+159.00)

सोना	चांदी
10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सर्वधर्म समभाव

अगर सभी पढ़ कर समझें,
रामायण बाइबिल और कुरान।
गुरुवाणी का भी करें पाठ,
महावीर बुद्ध पर धरें ध्यान।
समझें यदि सबका सार तत्व,
वैदिक वैज्ञानिक सोच जान।
समभाव और समरसता से,
जानें भारत है क्यों महान।।

यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए तथा उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे इन दोनों देशों के साथ भारत के संबंध प्रगाढ़ होंगे। अपने प्रस्थान वक्तव्य में उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है जिसमें हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग है, जिसमें व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, शिक्षा, अनुसंधान, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंध शामिल हैं। मोदी ने कहा, ''प्रधानमंत्री माननीय सर केअर स्टार्मर के साथ मेरी बैठक के दौरान, हमें अपनी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर मिलेगा, जिसका उद्देश्य दोनों देशों में समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है।'' इस यात्रा के दौरान वह महाराजा चार्ल्स तृतीय से भी मिलेंगे। इसके बाद, मोदी मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू के निमंत्रण पर इस द्वीप देश की यात्रा करेंगे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ब्लॉकचेन जैसे प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करें अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल समाधानों का एकीकरण अत्यंत आवश्यक है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रक्षा संपदा सेवा अधिकारियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन-आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्तियों के रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए ब्लॉकचेन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का कामकाज में इस्तेमाल करने को कहा है।

श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को यहां भारतीय रक्षा संपदा सेवा, सैन्य अभियंता सेवा और केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति भवन में मुलाकात के दौरान यह बात कही।

रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल समाधानों का एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी में प्रगति से अवगत रहना और उन्हें ने कामकाज में लाना उनका कर्तव्य है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन-आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्ति रिकॉर्ड रखरखाव के लिए ब्लॉकचेन अब भविष्य की अवधारणाएँ नहीं रह गई हैं, बल्कि ये शासन का हिस्सा बन रही हैं। उन्होंने अधिकारियों से बुनियादी ढाँचे के विकास में पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों को अपनाने,नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाने, अपव्यय को कम करने और छावनियों में जल संरक्षण सुनिश्चित करने की सलाह दी।

सैन्य अभियंता सेवा (एमईएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य निर्माण के क्षेत्र में उभरते नेतृत्व के रूप में, युवा एमईएस अधिकारियों की न केवल निर्माण, बल्कि जिम्मेदारी के साथ निर्माण करने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उन्हें सतत विकास को बढ़ावा देने और रक्षा अवसंरचना के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

'बुलेट ट्रेन परियोजना का काम 2029 तक पूरा होने की उम्मीद'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरेगी और इसके मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों पर ठहराव की योजना है।

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि वापी और साबरमती के बीच बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के गुजरात वाले हिस्से का काम दिसंबर, 2027 तक पूरा करने की योजना है और महाराष्ट्र से साबरमती सेक्शन तक पूरी परियोजना दिसंबर, 2029 तक पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

वैष्णव ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 किलोमीटर) जापान से तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ निर्माणाधीन है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरेगी और इसके मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों पर ठहराव की योजना है।

वैष्णव ने बताया, ''वापी और साबरमती के बीच कॉरिडोर का गुजरात वाला हिस्सा दिसंबर, 2027 तक पूरा होने की योजना है। पूरी परियोजना (महाराष्ट्र से साबरमती खंड) दिसंबर, 2029 तक पूरी होने की उम्मीद है।''

सावन शिवरात्रि

सावन शिवरात्रि पर शिव मंदिरों में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। वाराणसी में, काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्व भूषण मिश्रा ने कहा, आज सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जा रही है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए विशेष निगरानी की जा रही है। इस बीच, संभल में करीब 46 साल बाद खोले गए प्राचीन कार्तिकेय महादेव मंदिर में भी भारी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं।

पाकिस्तान भारत के साथ 'सार्थक वार्ता' के लिए तैयार : शहबाज शरीफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को कहा कि उनका देश सभी लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत के साथ ''सार्थक बातचीत'' के लिए तैयार है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शरीफ ने ब्रिटिश उच्चायुक्त जेन मैरियट से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

मैरियट ने प्रधानमंत्री आवास में शहबाज शरीफ से मुलाकात की। दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की क्षेत्रीय स्थिति पर भी चर्चा की।

बयान के अनुसार, ''प्रधानमंत्री शरीफ ने पाकिस्तान-भारत गतिरोध के दौरान तनाव कम करने में ब्रिटेन की भूमिका की सराहना की और दोहराया कि पाकिस्तान सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार है।''

भारत, चीन ने सीमा पर स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन ने बुधवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर समग्र स्थिति की समीक्षा की और सीमा संबंधी मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के लिए आधार तैयार किया। यह समीक्षा दिल्ली में परामर्श एवं समन्वय कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक में की गई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने इस साल के अंत में भारत में होने वाली विशेष प्रतिनिधियों की अगले दौर की वार्ता की भी तैयारी की। विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए चीनी विदेश मंत्री वांग यी के भारत आने की संभावना है। वांग और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल इस वार्ता के विशेष प्रतिनिधि हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की। उसने कहा कि दोनों देशों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की सामान्य स्थिति पर संतोष व्यक्त किया।

हिन्दुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि हिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं।

गांधी ने संसद परिसर में कहा कि हिन्दुस्तान में चुनाव चोरी किये जा रहे है यह वास्तविकता है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन चुप नहीं बैठेगा और संसद से सड़क तक लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ बिहार की बात नहीं है। महाराष्ट्र में भी चोरी की। हमने चुनाव आयोग से मतदाता सूची मांगी, वीडियो मांगे, लेकिन उन्होंने हमें नहीं दिया।

नेता विपक्ष ने कहा कि सरकार ने वीडियोग्राफी देने का कानून ही बदल दिया। महाराष्ट्र में चुनाव से पहले एक करोड़ नए वोटर जोड़े गए। उन्होंने कहा, हमने कर्नाटक में अध्ययन किया है और भयंकर चोरी पकड़ी है। मैं 'ब्लैक एंड व्हाइट' में आपको और चुनाव आयोग को बता सकता हूं कि कहां और कैसे चोरी की जा रही है। हम खेल समझ गए हैं। हमने कर्नाटक में एक निर्वाचन क्षेत्र चुना और उसे पूरी तरह से समझा। उन्होंने कहा कि हमें अध्ययन से पता चला है कि कैसे नए मतदाता बनते हैं, कौन वोट करता है और कहां से वोट होता है। उन्होंने दावा किया कि इनको समझ आ गयी है कि हमने इनकी चोरी पकड़ ली है। इसलिए अब बिहार में पूरी व्यवस्था (चुनाव चोरी का) नए तरीके से कर रहे हैं। यह मतदाताओं का नाम हटाएंगे और नए तरीके से सूची बनाएंगे।

इंडिगो की अहमदाबाद-दीव उड़ान तकनीकी खराबी के कारण रद्द

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद से दीव जाने वाला इंडिगो का एक विमान बुधवार को तकनीकी खराबी के कारण अंतिम समय में उड़ान नहीं भर सका। विमान में 50 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार अहमदाबाद से दीव के लिए उड़ान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पूर्वाह्न लगभग 11 बजकर 15 मिनट पर रवाना होनी थी। सूत्रों ने बताया कि विमान रवाना होने के चरण में था जब पायलट ने इसे रनवे पर रोकने का निर्णय लिया। इंडिगो ने एक बयान में कहा, ''23 जुलाई को अहमदाबाद से दीव जा रहे इंडिगो के विमान 6ई7966 में उड़ान भरने से ठीक पहले तकनीकी खराबी का संकेत मिला।'' इसमें कहा गया है कि मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए पायलट ने अधिकारियों को सूचित किया और विमान को वापस 'बे' में ले गए।

आर्कटिक, अंटार्कटिका में गंभीरता से रुचि ले रहा भारत : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत आर्कटिक और अंटार्कटिक के ध्रुवीय क्षेत्रों में गंभीरता से रुचि ले रहा है।

विदेश मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने समिति के सदस्यों को जानकारी दी।

थरूर ने कहा कि हालांकि विकसित देश इन दोनों क्षेत्रों में उपस्थिति के मामले में भारत से आगे हैं, जिनका भू-राजनीतिक महत्व बढ़ता जा रहा है, फिर भी भारत इसमें शामिल हो गया है और दोनों जगहों में गंभीरता से रुचि ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही असामान्य और दिलचस्प विषय है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आर्कटिक और अंटार्कटिक वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

थरूर ने कहा कि आर्कटिक को कुछ भू-राजनीतिक संघर्षों का सामना करना पड़ा है, जबकि अंटार्कटिक को ''वैश्विक साझा क्षेत्र'' माना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत अंटार्कटिक में विशेष रूप से सक्रिय रहा है और वहां उसका एक स्टेशन भी है।

बैठक का एजेंडा ''आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में भारत की भूमिका और उपस्थिति'' थी।

उपराष्ट्रपति चुनाव की निर्वाचन आयोग ने तैयारी शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के दो दिन बाद बुधवार को कहा कि उसने उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग ने कहा कि उसने संसद के दोनों सदनों के सांसदों के निर्वाचक मंडल का गठन शुरू कर दिया है। निर्वाचित और मनोनीत दोनों सदस्य उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के पात्र हैं। आयोग ने कहा कि वह निर्वाचन अधिकारी और सहायक निर्वाचन अधिकारियों के नामों को भी अंतिम रूप दे रहा है। इसने कहा, तैयारियां पूरी होने के बाद, जल्द से जल्द उपराष्ट्रपति चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। जगदीप धनखड़ ने सोमवार को एक आश्चर्यजनक कदम के तहत स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 को समाप्त होना था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद से धनखड़ के इस्तीफे की औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी थी। संविधान के अनुच्छेद 68 के खंड 2 के अनुसार, उपराष्ट्रपति के निधन, त्यागपत्र या पद से हटाए जाने के बाद यथाशीघ्र चुनाव कराना होता है।

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाएंगे भारत तथा इजरायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इजराइल ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने के लिए एक संस्थागत ढांचा विकसित करने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बुधवार को यहां इज़राइल रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अमीर बरम के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

दोनों पक्षों ने दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने रक्षा संबंधों को और गहरा करने के लिए एक संस्थागत ढांचा विकसित करने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की।

इज़राइली महानिदेशक ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

रक्षा सचिव ने आतंकवाद के प्रति भारत के शून्य सहिष्णुता के दृष्टिकोण को दोहराया और इज़राइल में अक्टूबर 2023 को हुए आतंकवादी हमलों की निंदा की और सभी बंधकों की रिहाई का आह्वान किया।

भारत-ब्रिटेन बृहस्पतिवार को लंदन में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन बृहस्पतिवार को लंदन में एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। इससे श्रम-प्रधान उत्पादों जैसे चमड़ा, जूते और कपड़ों का रियायती दरों पर निर्यात संभव होगा, जबकि ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता हो जाएगा। यह समझौता दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को 2030 तक दोगुना करके 120 अरब डॉलर तक पहुंचाने में मदद करेगा।

आधिकारिक तौर पर एक व्यापक आर्थिक और व्यापार करार कहे जाने वाले इस समझौते पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के उनके समकक्ष कीर स्टार्मर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए जाएंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उनके ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स इस समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके बाद, इसे लागू होने से पहले ब्रिटिश संसद की मंज़ूरी लेनी होगी। इस प्रक्रिया में लगभग एक साल लग सकता है। मोदी बुधवार को ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए।

दोनों देशों ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की।

इस समझौते में वस्तुओं, सेवाओं, नवाचार, सरकारी खरीद और बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) जैसे मुद्दे शामिल हैं।

दोनों देशों ने दोहरे अंशदान सम्मेलन समझौते, या सामाजिक सुरक्षा समझौते पर बातचीत भी पूरी कर ली है। इससे ब्रिटेन में सीमित अवधि के लिए काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को सामाजिक सुरक्षा कोष में दोहरे अंशदान से बचने में मदद मिलेगी।

ऐसे व्यापार समझौतों में, दोनों देश परस्पर व्यापार वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क या तो समाप्त कर देते हैं या उसमें उल्लेखनीय कमी कर देते हैं। ये समझौते सेवाओं और द्विपक्षीय निवेश में व्यापार को बढ़ावा देने के मानदंडों को भी आसान बनाते हैं।

समझौते के तहत, 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को ब्रिटेन के बाज़ार में शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा।

कांवड़ मेला संपन्न, पखवाड़ेभर में 4.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/भाषा। हरिद्वार में 'बम बम भोले' और 'हर हर महादेव' के जयकारों की गूंज के बीच पखवाड़े भर चला कांवड़ मेला बुधवार को सावन की शिवरात्रि के साथ ही संपन्न हो गया जहां लाखों श्रद्धालु शिवालयों में गंगा जल से भगवान आशुतोष का जलाभिषेक करने के लिए उमड़ पड़े। मेला नियंत्रण कक्ष के सूत्रों के अनुसार, इस वर्ष कांवड़ यात्रा के दौरान गंगा जल लेने के लिए पिछले 15 दिनों में 4.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे ।

एक मान्यता के अनुसार, अपने ससुर राजा दक्ष को दिए एक वचन के अनुरूप भगवान शिव पूरे सावन महीने में कनखल में ही निवास करते हैं और इसलिए सबसे अद्भुत नजारा भगवान शिव की ससुराल दक्षप्रजापति महादेव मंदिर में ही नजर आया । यहां पूरा मंदिर परिसर भगवामय था और तड़के से ही शिवभक्तों की लंबी कतारें लग गयीं थीं । इसके अलावा, दरिद्र भंजन मंदिर, तिलभांडेश्वर मंदिर, बिल्वकेश्वर, नीलेश्वर और गौरीशंकर मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी ।

'बम बम भोले' के जयघोष के बीच हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल सहित कई अधिकारियों ने भी हरकी पैड़ी पर गंगा पूजन किया और वहां से जल लेकर दक्ष मंदिर में जलाभिषेक कर कांवड़ मेले के बिना किसी बाधा के संपन्न होने पर मां गंगा का आभार जताया।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की रफ्तार घटी, वित्त वर्ष 2024-25 में औसतन 29 किमी प्रतिदिनः गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की औसत गति घटकर 29 किलोमीटर प्रतिदिन रह गई। राज्यसभा को यह जानकारी बुधवार को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दी। गडकरी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 2023-24 में राजमार्गों का प्रतिदिन औसतन 34 किलोमीटर निर्माण हुआ था, जबकि 2020-21 में राजमार्गों के निर्माण की अब तक की सबसे तेज रफ्तार 37 किलोमीटर प्रतिदिन दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि 2024-25 में कुल 10,660 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया, 2023-24 में 12,349 किलोमीटर, और 2022-23 में 10,331 किलोमीटर राजमार्ग बनाए गए। एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में गडकरी ने कहा कि एक्सेस-कंट्रोल्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर (एचएससी) और एक्सप्रेसवे सहित सभी राजमार्ग विकास परियोजनाएं प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के सिद्धांतों के अनुसार तैयार की जाती हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से दुनिया में हर साल 32 करोड़ पेड़ नष्ट हो जाते हैंः अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। आकाशीय बिजली गिरने से हर साल दुनिया में करीब 32 करोड़ पेड़ नष्ट हो जाते हैं, जो दुनिया में पौधों के कुल 'बायोमास' (जैविक द्रव्यमान) की दो से तीन प्रतिशत हानि के लिए जिम्मेदार हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है।

पेड़ों के विनाश से प्रतिवर्ष 0.77 से 1.09 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होने का अनुमान है। जर्मनी की 'टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख' के शोधकर्ताओं ने बताया कि यह मात्रा जंगलों में आग लगने से हर साल निकलने वाले 1.26 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड के करीब है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह उत्सर्जन जलवायु परिवर्तन के लिए एक गंभीर चुनौती हो सकता है। उन्होंने बताया कि 'ग्लोबल चेंज बायोलॉजी' पत्रिका में प्रकाशित किए गए आकाशीय बिजली गिरने से नष्ट हुए पेड़ों के अनुमान में बिजली गिरने से लगी आग से पेड़ों को पहुंची क्षति शामिल नहीं की गई है। 'टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख' में भूमि सतह-वायुमंडलीय अंतःक्रिया के अध्यक्ष एवं प्रमुख शोधकर्ता एंड्रियास क्राउज ने कहा कि जैसे-जैसे धरती का ताप बढ़ रहा है वैसे वैसे ही आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं अधिक आम होती जा रही हैं, इसलिए इसपर ध्यान देने की जरूरत है। क्राउज ने कहा, ''वर्तमान में आकाशीय बिजली गिरने से नष्ट होते पेड़ों की दर उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सबसे अधिक है। हालांकि, मॉडल बताते हैं कि आकाशीय बिजली गिरने की आवृत्ति मुख्य रूप से मध्य और उच्च अक्षांश क्षेत्रों में बढ़ेगी, जिसका अर्थ है कि शीतोष्ण और बोरियल वनों में भी बिजली से होने वाले पेड़ों के नुकसान की दर अधिक प्रासंगिक हो सकती है।''

पंजाब में सीमा पार से हथियारों की तस्करी के आरोप में 4 लोग गिरफ्तार, 8 अवैध हथियार जब्त

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने बुधवार को दो अलग-अलग अभियानों में सीमा पार हथियारों की तस्करी में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से आठ अवैध हथियार भी जब्त किए।

पुलिस ने कहा, खुफिया सूचनाओं के आधार पर, अमृतसर देहात पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ पंजाब) के साथ एक संयुक्त अभियान समेत दो अलग-अलग अभियानों में सीमा पार हथियारों की तस्करी में शामिल चार आरोपियों के पास से आठ अवैध हथियार जब्त किए।

ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम हमले पर संसद में अगले सप्ताह हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली/भाषा। संसद में अगले सप्ताह पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होने की संभावना है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में इस मुद्दे पर 16-16 घंटे की चर्चा होने की उम्मीद है। सरकार ने 21 जुलाई को कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में लोकसभा में इस मुद्दे पर 16 घंटे की चर्चा के लिए सहमति व्यक्त की थी और बुधवार को राज्यसभा की बीएसी की बैठक में भी ऐसा ही निर्णय लिया गया।

विपक्ष ने इस बात पर जोर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चर्चा के दौरान सदन में रहें और इस मुद्दे पर बोलें। सूत्रों ने कहा कि अगर कोई व्यवधान नहीं हुआ तो लोकसभा में 28 जुलाई को और राज्यसभा में एक दिन बाद चर्चा शुरू होगी। सोमवार को मानसून सत्र शुरू होने के बाद से, कई मुद्दों, खासकर बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों ने प्रदर्शन किया है, जिसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित रही। विपक्ष ने सरकार पर ऑपरेशन सिंदूर और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले पर चर्चा को प्राथमिकता नहीं देने का आरोप लगाया।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने चर्चा पर प्रधानमंत्री के जवाब की विपक्ष की मांग पर कोई आश्वासन नहीं दिया है, लेकिन अगले सप्ताह संसद में चर्चा कराने के अपने प्रस्ताव के संबंध में कहा है कि मोदी अपनी चार दिवसीय विदेश यात्रा से तब तक वापस आ जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को ब्रिटेन एवं मालदीव की विदेश यात्रा पर रवाना हुए।

विपक्षी नेताओं की ओर से जन्मदिन पर मिली शुभकामनाओं को राजनीतिक रंग देना गलतः मुख्यमंत्री फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पंढरपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि उनके जन्मदिन पर विपक्षी नेताओं की ओर से मिली शुभकामनाओं की कोई राजनीतिक व्याख्या नहीं की जानी चाहिए।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे द्वारा फडणवीस की प्रशंसा वाले संदेशों से संबंधित एक 'कॉफी टेबल बुक' मंगलवार को जारी की गई।

पंढरपुर में विट्ठल मंदिर में दर्शन के बाद फडणवीस ने पत्रकारों से कहा, ''हम वैचारिक रूप से विरोधी हैं, दुश्मन नहीं। जन्मदिन या किसी भी शुभ मौके पर दी जाने वाली शुभकामनाओं को राजनीतिक रंग देना बहुत गलत है। वरना ऐसा लगेगा कि हम राज्य की संस्कृति की गलत तस्वीर पेश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों ने मेरे जन्मदिन पर एक किताब प्रकाशित की। इन दोनों नेताओं (पवार और ठाकरे) से इस बारे में टिप्पणी मांगी गई और उन्होंने मेरे बारे में अच्छी बातें कहीं और मुझे शुभकामनाएं दीं। मैं उनका आभारी हूं। इसे राजनीतिक रंग देना संकीर्ण मानसिकता होगी।''

मराठी और हिंदी के इस्तेमाल से संबंधित विवाद पर राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि राज्यपाल को राजनीति में घसीटना गलत होगा। उन्होंने कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के इस्तीफे की मांग पर भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कोकाटे के उस वीडियो को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था जिसमें उन्हें विधान परिषद में अपने मोबाइल फोन पर कथित तौर पर 'रमी' (ताश के पत्तों का खेल) खेलते हुए देखा गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं यहां प्रार्थना करने आया हूं।''

फडणवीस ने कहा कि वह स्थानीय लोगों के साथ पंढरपुर कॉरिडोर परियोजना पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, जिसका उद्देश्य सड़कों को चौड़ा करके, दुकानों को स्थानांतरित करके और भक्तों के लिए सुविधाओं में सुधार करके विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर के आसपास के क्षेत्र का पुनरुद्धार करना है।

आरबीआई ने कारवार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्नाटक स्थित कारवार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है क्योंकि उसके पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावना नहीं है। इससे, बैंक 23 जुलाई, 2025 को कारोबार बंद होने से बैंकिंग गतिविधि बंद कर देगा।

आरबीआई ने बुधवार को बयान में कहा कि 'सहकारी समितियों के पंजीयक, कर्नाटक' से बैंक को बंद करने और बैंक के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का भी अनुरोध किया गया है।

परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता 'जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम' (डीआईसीजीसी) से पांच लाख रुपए की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा।

आरबीआई ने कहा कि बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 92.9 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमा की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।

डीआईसीजीसी 30 जून, 2025 तक कुल बीमित जमाराशियों में से 37.79 करोड़ रुपए का भुगतान कर चुका है। आरबीआई ने कहा कि सहकारी समिति के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं।

भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार के परिपक्व होने का इंतजारः रेनो इंडिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। फ्रांसीसी वाहन विनिर्माता रेनो ने बुधवार को कहा कि भारत के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में कदम रखने के पहले उसे स्थानीय ईवी पारिस्थितिकी के परिपक्व होने का इंतजार है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह चेन्नई विनिर्माण संयंत्र में निसान की हिस्सेदारी का अधिग्रहण बहुत जल्द पूरा करने की उम्मीद कर रही है।

रेनो ने बुधवार को अपनी सात सीटों वाले बहुद्देशीय वाहन 'ट्राइबर' को पूरी तरह नए अवतार में पेश किया। इस मॉडल की शुरुआती कीमत 6.29 लाख रुपए रखी गई है। रेनो इंडिया के प्रबंध निदेशक वेंकटराम मामिलापल्ले ने ईवी क्षेत्र में कदम रखने के संदर्भ में कहा, ''हम अपना विश्लेषण कर रहे हैं। हम उत्पाद को बाजार में लाने से पहले ईवी पारिस्थितिकी के परिपक्व होने की उम्मीद कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी इलेक्ट्रिक सहित कई पावरट्रेन विकल्पों में अपने उत्पाद लेकर आएगी। उन्होंने कहा, ''हम अपने उत्पादों की घोषणा करने के लिए उचित समय लेंगे, और एक-एक करके उन्हें पेश करेंगे। सीएनजी और पेट्रोल मॉडल पहले से ही उपलब्ध हैं। इसलिए हम अन्य ऊर्जा स्रोतों पर भी बात कर रहे हैं।''

मामिलापल्ले ने कहा, ''हमारे पास सब कुछ आसानी से उपलब्ध है, चाहे वह हाइब्रिड एथनॉल हो या इलेक्ट्रिक वाहन। हमें प्रौद्योगिकी को तलाशना नहीं है। यह मेरे पास पहले से उपलब्ध है। परिपक्वता आने के साथ ही बाजार जोर पकड़ता है।'' उन्होंने कंपनी के पुराने मॉडल 'ट्राइबर' के नए संस्करण का जिक्र करते हुए कहा कि यह 90 प्रतिशत से ज़्यादा स्थानीय स्तर पर निर्मित है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 'काइगर' के पूरी तरह नए मॉडल की पेशकश अगले दो वर्षों में चार उत्पाद लाने की कंपनी की योजना की शुरुआत है। फिलहाल रेनो के भारतीय पोर्टफोलियो में तीन कारें हैं। इनमें ट्राइबर, कॉम्पैक्ट एसयूवी काइगर और हैचबैक क्विड शामिल हैं।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में रेनो इंडिया की घरेलू बिक्री 30 प्रतिशत घटकर 7,729 इकाई रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 10,969 वाहन थी। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम है।

अखबार पढ़ने के बाद याचिका दायर नहीं करें: दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक याचिकाकर्ता को समाचार रिपोर्ट पढ़कर मुकदमा दायर करने के प्रति आगाह किया और उसे याचिका दायर करने से पहले पूरी तैयारी करने को कहा।

मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और उनके सहयोगी संस्थानों के लिए बाहरी भर्ती कंपनियों या एजेंटों के नियमन के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में केनरा बैंक के प्रबंधन नियंत्रण वाली सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी कैन फिन होम्स लिमिटेड (सीएफएल) में भर्ती में कथित गड़बड़ियों की सेबी (केंद्रीय प्रतिभूति नियामक बोर्ड) या सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) से स्वतंत्र जांच कराने का भी अनुरेध किया गया था।

पीठ ने याचिका को ''अधूरा'' करार दिया। इसने पाया कि एक नए समाचार पोर्टल ने बताया था कि एक 'व्हिसलब्लोअर' ने बैंक से ''भर्ती में गंभीर गड़बड़ियों'' की शिकायत की थी। इस मामले में जांच की गई लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और मामला बंद कर दिया गया।

वैश्विक यूपीआई-आधारित भुगतान मंच लाने के लिए पेपाल, एनपीसीआई इंटरनेशनल में समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक भुगतान कंपनी पेपाल ने बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के साथ पेपाल वर्ल्ड के मंच पर यूपीआई के एकीकरण के लिए एक समझौते की घोषणा की। इसके तहत सीमापार निर्बाध भुगतान संभव हो सकेगा।

यह कंपनी द्वारा शुरू की गई वैश्विक साझेदारियों की उस शृंखला के तहत है जो दुनिया की कई सबसे बड़ी भुगतान प्रणालियों और डिजिटल वॉलेट को एक ही मंच पर जोड़ेगी। इसकी शुरुआत पेपाल और वेनमो के साथ अंतर-परिचालन से होगी।

पेपाल ने बयान में कहा कि, दोनों मंचों के वैश्विक स्तर पर संयुक्त रूप से लगभग दो अरब उपयोगकर्ता हैं। इसमें कहा गया है कि इस घोषणा में पेपाल वर्ल्ड के लिए दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है और बताया गया है कि यह किस प्रकार लोगों के पैसे भेजने, ऑनलाइन, स्टोर में खरीदारी करने तथा सीमा के पार एआई एजेंट के साथ काम करने के तरीके को बदल देगा। पेपाल के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलेक्स क्रिस ने कहा कि सीमापार धन स्थानांतरित करने की चुनौती अविश्वसनीय रूप से जटिल है, फिर भी यह मंच लगभग दो अरब उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए इसे सरल बना देगा।

एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ रितेश शुक्ला ने कहा कि पेपाल वर्ल्ड के मंच पर यूपीआई का एकीकरण यूपीआई के वैश्विक विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

'क्राइम शो' देखकर बीएसएफ कर्मी ने खिलौना पिस्तौल के बल पर आभूषण की दुकान से कंगन लूटे, गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान ने एक खिलौना पिस्तौल के बल पर दिनदहाड़े दिल्ली में एक आभूषण की दुकान में लूटपाट को अंजाम दिया। ऑनलाइन जुए में रकम गंवाने के बाद कथित तौर पर 'क्राइम शो' से सीखकर यह अपराध करने वाले बीएसएफ कर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान गौरव यादव (22) के रूप में हुई है, उसने 2023 में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में भर्ती होने के बाद मई 2025 में प्रशिक्षण पूरा कर लिया था। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने एक बयान में कहा, यादव पंजाब के फाजिल्का में बीएसएफ में तैनात था। घटना से एक दिन पहले, 18 जून को, वह छुट्टी लेकर दिल्ली आया और ट्रेन बदलने का इंतजार करते हुए लूट की योजना बनाई। घटना 19 जून को फर्श बाजार इलाके में स्थित एक आभूषण की दुकान में हुई, जब एक व्यक्ति पिस्तौल जैसी दिखने वाली कोई चीज लहराते हुए दुकान में घुसा और सोने के चार कंगन चुराकर भाग गया।

डीसीपी ने बताया कि फर्श बाजार थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 309(4) (लूट) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। पुलिस ने तकनीकी निगरानी की, कई सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड (आईपीडीआर) डेटा का विश्लेषण किया।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणीः विजय शाह को मंत्री पद से हटाने के लिए याचिका दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह को हटाने का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। कांग्रेस नेता जया ठाकुर द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि विजय शाह के बयान से अलगाववादी भावनाएं भड़कने और देश की एकता को खतरा है।

याचिका में कहा गया है, ''मंत्री का यह बयान कि कर्नल सोफिया कुरैशी उस आतंकवादी की बहन हैं जिसने पहलगाम में हमला किया था, यह किसी भी मुस्लिम व्यक्ति पर आरोप लगाकर उसमें अलगाववादी भावनाओं को बढ़ावा देता है, जिससे भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरा है। यह टिप्पणी सीधे तौर पर भारत के संविधान की अनुसूची तीन के तहत ली गई शपथ का उल्लंघन है।'' शीर्ष अदालत ने 28 मई को विजय शाह की टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में कार्यवाही को बंद करने का आदेश देते हुए कहा कि वह इस मामले पर गौर करेगी।

शीर्ष अदालत ने अपने पूर्व के आदेश के अनुपालन में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से वस्तु स्थिति रिपोर्ट मांगी है। शीर्ष अदालत ने 19 मई को, विजय शाह को फटकार लगाई और उनके खिलाफ दर्ज मामले में जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया।

विजय शाह उस समय आलोचनाओं के घेरे में आ गए जब एक वीडियो व्यापक रूप से प्रसारित हुआ, जिसमें उन्हें कर्नल कुरैशी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए देखा गया था। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रेस वार्ता के दौरान कर्नल कुरैशी और एक अन्य महिला अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने देश को जानकारी दी थी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने विजय शाह को कर्नल कुरैशी के खिलाफ ''अपमानजनक'' टिप्पणी करने और अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करने के लिए फटकार लगाई, और पुलिस को द्वेष और नफरत को बढ़ावा देने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया।

कड़ी निंदा के बाद विजय शाह ने खेद व्यक्त किया और कहा कि वह कर्नल कुरैशी का अपनी बहन से भी अधिक सम्मान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल से 'उंगलुदन स्टालिन' जनसंपर्क कार्यक्रम की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई में बुधवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अस्पताल से बैठक लेते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन अस्पताल से अपना आधिकारिक कामकाज किया। मुख्यमंत्री ने अस्पताल के कमरे से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जनसंपर्क कार्यक्रम 'उंगलुदन स्टालिन' (स्टालिन आपके साथ) के लिए शिविरों के संचालन की समीक्षा की। इस अवसर पर कन्याकुमारी के जिलाधिकारी आर. अलगु मीणा, कांचीपुरम की जिलाधिकारी कलैसेल्वी मोहन और कोयंबटूर के जिलाधिकारी पवनकुमार जी गिरियप्पनवर मौजूद रहे।

इस समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने शिविरों में लोगों से प्राप्त आवेदनों पर अधिकारियों को उचित एवं त्वरित कार्रवाई करने को कहा। स्टालिन ने बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने अधिकारियों के साथ इस बात की समीक्षा की कि क्या उंगलुदन स्टालिन के लिए शिविर योजना के अनुसार आयोजित किए जा रहे हैं, 22 जुलाई तक जनता से कितनी याचिकाएं प्राप्त हुईं, तथा याचिकाओं के समाधान के लिए क्या कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने मुख्य सचिव (एन मुरुगनंदम) को सभी विवरण एकत्र करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों की समस्याओं के समाधान में कोई देरी न हो।'' स्टालिन को 21 जुलाई को सुबह की सैर के दौरान हुई 'हल्के चक्कर' की शिकायत के कारण यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने उन्हें तीन दिन आराम करने की सलाह दी है।

दुर्लभ सर्जरी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के एमजीएम कैंसर संस्थान ने 33 वर्षीय सुश्री जननी पर जीवन रक्षक अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) सफलतापूर्वक किया, जिन्हें जीएटीए2 प्राथमिक प्रतिरक्षा की कमी का पता चला था, जो एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार है जो आवश्यक रक्त और प्रतिरक्षा कोशिकाओं के उत्पादन को बिगाड़ कर प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है। संस्थान में हेमेटो-ऑन्कोलॉजी के सलाहकार डॉ. गोपीनाथन, जिन्होंने इस प्रक्रिया का नेतृत्व किया, ने अपनी टिप्पणी में कहा, यह मरीज लगभग 24 वर्षों से जीएटीए2 संबंधित प्राथमिक प्रतिरक्षा की कमी के साथ जी रही थी और जीवन भर बार-बार संक्रमण का सामना करती रही। अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण इस स्थिति का एकमात्र निश्चित इलाज है, लेकिन सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यधिक व्यक्तिगत दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, विशेष रूप से जटिल मामलों में। उसके मामले में, हमने एक अर्ध-मिलान (हैप्लोइडेन्टिकल) प्रत्यारोपण किया, जहाँ दाता ने उसकी आनुवंशिक प्रोफ़ाइल का केवल 50 प्रतिशत ही साझा किया।

चर्चा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, जिनका चेन्नई के अपोलो अस्पताल में उपचार चल रहा है, ने बुधवार को मुख्य सचिव श्री एन. मुरुगनंथम, भारतीय प्रशासनिक सेवा के साथ विभिन्न विभागीय परियोजनाओं पर चर्चा की, महत्वपूर्ण फाइलों का निरीक्षण किया और अपनी स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने नवाचार और स्थायित्वपूर्ण वृद्धि के लक्ष्य के साथ मनाया स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मुम्बई। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने अपने 118वां स्थापना दिवस पर विश्वास, नवाचार और स्थायित्वपूर्ण वृद्धि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। बैंक के 118वें स्थापना वर्ष की थीम 'भरोसे का सशक्त आधार : नवाचार' रखी गई है जो वर्षों से ग्राहकों के भरोसे को अक्षुण्ण बनाए रखते हुए भविष्य की बैंकिंग को आकार देने की बैंक की सोच को दर्शाता है।

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफ़एस) के सचिव एम. नागराजू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बैंक ने ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करते हुए बैंकिंग की पहुंच को बढ़ाने और स्थायित्वपूर्ण वृद्धि को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से डिजिटल और तकनीक, संवहनीय बैंकिंग और ग्रीन फायनांस के क्षेत्र में कई नवोन्मेषी उत्पादों और पहलों की घोषणा की।

कुछ प्रमुख पहलों में एमएसएमई, व्यापारियों और कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए एक नया, संवर्धित मोबाइल बैंकिंग ऐप; बॉब वर्ल्ड बिज़नेस ऐप लॉन्च, एआई और 3डी होलोग्राफिक तकनीक पर आधारित एक अत्याधुनिक वर्चुअल फ्रंट ऑफिस की शुरुआत, जो ग्राहकों को एक अभिनव सेवा अनुभव प्रदान करेगा; बॉब इ पे ऐप में वैश्विक यूपीआई सुविधाओं को एंटीग्रेट करते हुए बॉब इ पे इंटरनेशनल की शुरुआत, दृष्टिबाधित ग्राहकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार बॉब इनसाइट ब्रेल डेबिट कार्ड, और इनके साथ ही पर्यावरण के अनुकूल परियोजनाओं को सपोर्ट प्रदान करने के लिए ग्रीन फ़ाइनेंस योजनाओं जैसी पहले शामिल हैं। इस अवसर पर एम. नागराजू, सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग ने कहा, बैंक ऑफ़ बड़ौदा की 118 वर्षों की समृद्ध विरासत विश्वास, दृढ़ता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता की मिसाल है। विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ते हुए, तकनीक-संचालित बैंकिंग के माध्यम से समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने, एमएसएमई क्षेत्र को सहयोग प्रदान करने और युवाओं के सशक्तीकरण में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, विशेष रूप से बैंक ऑफ़ बड़ौदा की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

इस अवसर पर बात करते हुए बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी देबदत्त चांद ने कहा, एक सदी से भी अधिक समय से, बैंक ऑफ़ बड़ौदा अपने हितधारकों के सपनों को साकार करने में उनका साथ देते हुए उनके भरोसे पर खरा उतरता रहा है। यह भरोसा सिर्फ हमारी विरासत का हिस्सा नहीं है, बल्कि हमें साहसिक और उत्तरदायित्वपूर्ण नवाचार के लिए निरंतर प्रेरित करता है।

चोल सम्राट की विरासत का जश्न मनाने के लिए केंद्र तमिलनाडु में कर रहा महोत्सव का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्र सरकार चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की विरासत का जश्न मनाने के लिए तमिलनाडु में 23 से 27 जुलाई तक एक विशाल महोत्सव का आयोजन कर रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके भव्य समापन समारोह में शिरकत करेंगे। संस्कृति मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह विशेष महोत्सव राजेंद्र चोल प्रथम के दक्षिण-पूर्व एशिया के पौराणिक समुद्री अभियान के 1,000 वर्ष पूरे होने और चोल वास्तुकला के एक शानदार उदाहरण प्रतिष्ठित गंगैकोंदा चोलपुरम मंदिर के निर्माण की शुरुआत का भी स्मरण कराता है।

मंत्रालय ने कहा, ''इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य शैव सिद्धांत की गहन दार्शनिक जड़ों और इसके प्रसार में तमिल की भूमिका को पेश करना, तमिल संस्कृति के आध्यात्मिक ताने-बाने में नयनारों के योगदान का सम्मान करना तथा शैव सिद्धांत, मंदिर वास्तुकला, साहित्य और शास्त्रीय कलाओं को बढ़ावा देने में राजेंद्र चोल प्रथम और चोल राजवंश की असाधारण विरासत का जश्न मनाना है।''

इसने बताया कि यह महोत्सव तमिलनाडु में गंगैकोंदा चोलपुरम मंदिर में आयोजित किया जा रहा है।

बयान के मुताबिक, 27 जुलाई को महोत्सव के भव्य समापन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

पुडुचेरी में आईएमएफएल लाइसेंस देने में भ्रष्टाचार हुआ, न्यायिक जांच हो : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/नई दिल्ली। कांग्रेस की पुडुचेरी इकाई ने बुधवार को आरोप लगाया कि इस केंद्रशासित प्रदेश में भारत निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) के लाइसेंस देने के लिए करोड़ों रुपये की रिश्वत ली गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी नारायणसामी ने यह भी कहा कि इस मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। उनके द्वारा यहां लगाए गए आरोप पर फिलहाल पुडुचेरी सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

नारायणसामी ने संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री एन रंगासामी के नेतृत्व में कैबिनेट ने छह आईएमएफएल लाइसेंस को मंज़ूरी दी थी। विधानसभा में भाजपा के एक मौजूदा विधायक ने कहा है कि उन छह लाइसेंस के लिए 10-10 करोड़ रुपये उच्च अधिकारियों को दिए गए थे। यह बात विधानसभा में रिकॉर्ड में दर्ज है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पुडुचेरी इकाई ने उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन से मुलाकात कर मांग की थी कि पानी की खपत करने वाले उद्योगों को लाइसेंस नहीं दिए जाने चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, सत्ता में बैठे लोगों को प्रत्येक लाइसेंस के लिए 15 करोड़ रुपये से अधिक दिया गया है। हम इसकी सीबीआई जांच चाहते हैं, लेकिन उपराज्यपाल हमारे अनुरोध पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुडुचेरी का लोक निर्माण विभाग भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। नारायणसामी ने दावा किया, ''भ्रष्टाचार के मामले में भाजपा सरकार नंबर वन है।''

उन्होंने कहा, ''हम मांग करते हैं कि भारत की माननीय राष्ट्रपति निष्पक्ष न्यायिक जांच का आदेश दें। अन्यथा, हम पुडुचेरी में सरकार के खिलाफ लगातार आंदोलन करेंगे।''

तमिलनाडु पुलिस व द्रमुक सरकार द्वारा मदुरै आदीनम को परेशान किया जाना निंदनीय : डॉ. एल मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु पुलिस और द्रमुक सरकार द्वारा मदुरै आदीनम श्रीलश्री हरिहर श्री ज्ञानसम्बन्ध देसिका स्वामीगल, जो वर्तमान में सर्जरी के बाद आराम कर रहे हैं, को लगातार परेशान किया जाना निंदनीय है। डॉ. मुरुगन ने कहा कि मदुरै आदीनम को दो दिन पहले तमिलनाडु पुलिस ने जांच के नाम पर परेशान किया था। पुलिस ने अब मदुरै आदीनम मामले में अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। यह अत्यंत निंदनीय है।

डॉ. मुरुगन ने कहा कि पुलिस जांच के नाम पर गुप्त इरादे से काम कर रही है। द्रमुक सरकार हिंदू धार्मिक नेताओं और मठाधीशों का अपमान करना जारी रखे हुए है। यह अस्वीकार्य है।

डॉ. मुरुगन ने कहा कि मैं दृढ़तापूर्वक अनुरोध करता हूं कि पुलिस मदुरै आदीनम की अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका वापस ले।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री अच्युतानंदन को श्रद्धांजलि देने के लिए उमड़ा हुजूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलप्पुझा/भाषा। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए बुधवार को उनके आवास और माकपा जिला समिति कार्यालय में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। अच्युतानंदन का 21 जुलाई को 101 वर्ष की आयु में तिरुवनंतपुरम में निधन हो गया था। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर वर्ग के लोग बड़ी संख्या में यहां पहुंचे - कई लोगों के हाथों में फूल थे, तो कुछ की आंखों में आंसू थे। इनमें न केवल कम्युनिस्ट पार्टी के पुराने समर्थक थे, बल्कि अन्य राजनीतिक पृष्ठभूमि के लोग भी थे।

अच्युतानंदन के आवास और जिला समिति कार्यालय के बाहर माहौल भावुक था, जहां कई शोक संतप्त लोग - खासकर उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता - उनकी प्रशंसा में नारे लगा रहे थे। वहीं अन्य लोग कॉमरेड वी.एस. कहे जाने वाले अच्युतानंदन को विदाई देने के लिए मौन अवस्था में खड़े थे। मंगलवार दोपहर तिरुवनंतपुरम से शुरू हुई उनकी अंतिम यात्रा 22 घंटे के बाद उनके घर पहुंची। बारिश और देर रात होने के बावजूद, रास्ते में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही।

पीएमके नेता अंबुमणि रामदास ने अपने राज्यव्यापी दौरे के लिए लोगो जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टरली मक्कल काच्चि (पीएमके) के नेता डॉ. अंबुमणि रामदास ने बुधवार को अपने राज्यव्यापी दौरे तमिलनाडु जन अधिकार पुनर्प्राप्ति यात्रा' का लोगो जारी किया। पार्टी पर नियंत्रण को लेकर अपने पिता और पीएमके संस्थापक डॉ. एस रामदास के साथ मतभेदों के बावजूद, अंबुमणि ने राज्यव्यापी दौरे की योजना की घोषणा की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लोगो जारी किया। उनका सौ दिवसीय कार्यक्रम 25 जुलाई को पड़ोसी चेंगलपट्टू जिले के थिरुपुरुर में शुरू होगा और एक नवंबर को धर्मपुरी में समाप्त होगा। उन्होंने 'तमिलनाडु जन अधिकार पुनर्प्राप्ति यात्रा' की घोषणा की। अंबुमणि ने दावा किया कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों में उनके अधिकारों को वापस दिलाने के लिए जागरूकता पैदा करना है, जो कथित कुशासन' के कारण उनसे छिन गए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं तमिलनाडु के लोगों के सभी अधिकारों को बहाल करने और उनके लिए सुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य के साथ 'तमिलनाडु जन अधिकार पुनर्प्राप्ति यात्रा' शुरू करना चाहता हूं।''

जाति जनगणना नहीं, बल्कि सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण : मंत्री शिवराज थंगडगी

बेंगलूरु। केंद्र सरकार जाति जनगणना करा रही है। राज्य सरकार एक सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण करा रही है और गुरुवार को एक आधिकारिक आदेश जारी किया जाएगा, पिछड़ा वर्ग कल्याण और कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के मंत्री शिवराज थंगडगी ने कहा।

बुधवार को विकास सौधा में उनसे मिलने आए मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। राज्य में सामाजिक एवं शैक्षिक रिपोर्ट तैयार करने की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल अगले सोमवार को तेलंगाना जाकर वहाँ की सर्वेक्षण प्रणाली का अध्ययन करेगा। मुख्यमंत्री ने राज्य में फिर से सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया है क्योंकि कांताराजू की रिपोर्ट को तैयार हुए 10 वर्ष हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने आयोग को अगले तीन महीनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सर्वेक्षण के लिए शिक्षकों का उपयोग किया जाएगा। इसमें सभी विभागों के अधिकारी सहयोग करेंगे। अगले चरणों में सर्वेक्षण में कैसे भाग लिया जाए, सर्वेक्षण का मॉडल क्या हो और सर्वेक्षण में शिक्षकों के प्रशिक्षण सहित कई मुद्दों पर अधिकारी स्तर पर लगातार बैठकें होंगी।

इससे पहले, जब कांताराजू आयोग ने सर्वेक्षण किया था, तब सर्वेक्षण के नमूने एकत्र करने के लिए 54 कॉलम (प्रश्नावली) थे। तदनुसार, वे घर-घर जाकर उन्हें भरते थे और उसके आधार पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार की जाती थी। इस बार कितने नमूने एकत्र किए जाएँ, यह तय करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम बनाने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि ये सभी प्रक्रियाएँ कल से शुरू हो जाएँगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या राज्य की राजनीति में कोई क्रांति आएगी, तो मंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति जनवरी में है। इसके बिना कोई क्रांति नहीं होगी।

धर्मस्थल मुद्दा : एसआईटी में होंगे 20 पुलिस अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल' कस्बे में महिलाओं के लापता होने, लड़कियों से बलात्कार और उनकी हत्या के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) में पुलिस अधीक्षक से लेकर हेड कांस्टेबल तक विभिन्न रैंक के 20 पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। पुलिस महानिदेशक एम.ए. सलीम द्वारा जारी आदेश में यह जानकारी दी गई।

मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, एसआईटी में पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी सी.ए. साइमन, दो पुलिस उपाधीक्षक, पांच पुलिस निरीक्षक, सात उपनिरीक्षक, एक सहायक उपनिरीक्षक और चार हेड कांस्टेबल शामिल होंगे। कर्नाटक सरकार ने एक नगर निकाय कर्मी के दावे की जांच के लिए विभिन्न हलकों से उठती मांग के बाद सोमवार को एसआईटी का गठन किया। इस कर्मचारी ने कहा था कि उसने धर्मस्थल' में सैकड़ों लड़कियों और युवतियों के शवों को दफनाया है।

न्यायालय ने अदालत के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक में 'धर्मस्थल' के धर्माधिकारी डी. वीरेंद्र हेगड़े के भाई से जुड़े मामलों में मीडिया में रिपोर्टिंग पर रोक लगाने संबंधी अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

सार्वजनिक रूप से रिपोर्टों को किसी तीसरे अनधिकृत पक्ष के साथ साझा करने या खुलासा करने पर रोक लगाने से संबंधी अदालत का यह आदेश राज्य के दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल में महिलाओं की कथित हत्या की खबरों से संबंधित था। एक स्थानीय अदालत के एकपक्षीय अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर याचिका में उस निर्देश की वैधता पर सवाल उठाया गया है, जिसमें 390 मीडिया संस्थानों को धर्मस्थल दफन मामले से जुड़े लगभग 9,000 लिंक और खबरें हटाने का निर्देश दिया गया था।

प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा कि उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख क्यों नहीं किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''आप पहले उच्च न्यायालय जाइए।'' निचली अदालत ने यह आदेश श्री मंजूनाथस्वामी मंदिर संस्थाओं के सचिव हर्षेंद्र कुमार द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में पारित किया था।

भाजपा ने पारदर्शी जांच की उम्मीद जताई

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने दक्षिण कन्नड़ जिले के 'धर्मस्थल' में सामूहिक रूप से शवों को दफनाने के आरोपों की जांच विशेष जांच दल द्वारा पारदर्शी तरीके से किए जाने की बुधवार को उम्मीद जताई। साथ ही राज्य सरकार से इस मुद्दे के जरिए माहौल और व्यवस्था को नष्ट करने के प्रयासों को रोकने की मांग की। सरकार ने पुलिस महानिदेशक (आंतरिक सुरक्षा प्रभाग) प्रणव मोहंती की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, जिसमें पुलिस उप महानिरीक्षक (भर्ती) एम एन अनुचेथ और आईपीएस अधिकारी सौम्यलता एस के और जितेंद्र कुमार दयामा शामिल हैं। विजयेंद्र ने कहा, ''राज्य सरकार ने एसआईटी गठित की है, जांच जल्द से जल्द होनी चाहिए। सभी की इच्छा है कि पारदर्शी जांच हो और सच्चाई सामने आए। लेकिन सरकार को भी इस मुद्दे के जरिए वहां माहौल और व्यवस्था को खराब करने की कोशिशों तथा झूठे प्रचार पर ध्यान देना चाहिए।'' भाजपा नेता ने कहा, ''हम भी इसके पीछे की साजिशों से वाकिफ हैं। अगर इस मुद्दे को लेकर वहां की व्यवस्था को नष्ट करने की कोई कोशिश की गई, तो हम विचार करेंगे कि आगे क्या करना है।''

करंट लगने से दो कांवड़ियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार को कांवड़ चढ़ाने से पहले कांवड़ की परिक्रमा कर रहे दो कांवड़ियों की करंट की चपेट में आने से मौत हो गयी जबकि 30 से अधिक कांवड़िये और ग्रामीण झुलस गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीचगावा गांव के लोग हरिद्वार से कांवड़ लेकर आए थे। बुधवार को कांवड़िये और गांव के लोग कांवड़ की परिक्रमा कर रहे थे। बताया जा रहा है कि वहां डीजे का वाहन खड़ा था जिसमें कुछ कांवड़िये थे।

उस वाहन में एक झंडी थी जो कल रात बारिश के चलते भीग गई। वह झंडी ऊपर से गुजर रहे उच्च क्षमता के बिजली के तारों से छू गई। इससे डीजे और उसके पास खड़े दो तीन वाहनों में करंट फैल गया।

सूत्रों ने बताया कि इससे वाहन में करंट फैल गया जिससे वाहन में खड़े दो कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा कांवड़िए और ग्रामीण झुलस गए। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को गढ़ीसवाईराम के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इनमें आठ लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें राजीव गांधी जनरल अस्पताल भेज दिया गया है। चार घायलों को लक्ष्मणगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उधर घटना के विरोध में कांवड़िए और ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए लक्ष्मणगढ़ – मंडावर मार्ग अवरुद्ध कर दिया है। मौके पर अधिकारी मौजूद हैं। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बताई जा रही है। मौके पर विद्युत निगम के कर्मचारी पहुंच चुके हैं, जो घटना की जांच कर रहे हैं।

न्यायालय ने दिव्यकीर्ति के खिलाफ मानहानि के मामले में कार्यवाही पर रोक लगाई

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक प्रमुख कोचिंग संस्थान के संस्थापक डॉ. विकास दिव्यकीर्ति के खिलाफ अजमेर की एक अदालत में चल रहे मानहानि के मामले में आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति समीर जैन की पीठ ने 'दृष्टि आईएएस' के संस्थापक दिव्यकीर्ति की याचिका पर कार्यवाही पर रोक लगाई है। दिव्यकीर्ति ने अजमेर की अदालत द्वारा उनके खिलाफ मानहानि की शिकायत पर संज्ञान लेने के आदेश के विरुद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। दरअसल, पूरा मामला एक वीडियो से संबंधित है जिसमें दिव्यकीर्ति ने कथित तौर पर न्याय व्यवस्था और न्यायपालिका के कामकाज के बारे में कुछ टिप्पणियां की हैं। मामला तब सामने आया जब एक वकील ने अजमेर की स्थानीय अदालत में याचिका दायर की। स्थानीय अदालत ने शिकायत पर संज्ञान लिया और उन्हें 22 जुलाई को तलब किया। हालांकि, उन्होंने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट के लिए अर्जी दायर की जिसके बाद अदालत ने उन्हें दो अगस्त को पेश होने का निर्देश दिया।

राजस्थान लिख रहा विकास की नई गाथा, राज्य सरकार प्रदेश को बनाएगी समृद्ध और विकसित : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान प्रदेश विकास की नई गाथा लिख रहा है। राज्य सरकार प्रदेश के विकास के प्रत्येक संकल्प को सिद्धि तक पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान किए हैं तथा यह डबल इंजन की सरकार ऐतिहासिक फैसले लेकर राजस्थान को एक समृद्ध और विकसित राज्य बनाने की तरफ अग्रसर है। शर्मा बुधवार को चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा की कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ शक्ति और भक्ति की भूमि है। यह वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, भक्त शिरोमणि मीरा बाई, स्वामीभक्त पन्नाधाय और भामाशाह जैसे दानवीरों की भूमि है। शर्मा ने कहा कि सावन के महीने में हो रही अच्छी बारिश प्रदेश के लिए अमृत के समान है। कृषि के लिए यह बरसात लाभकारी सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित भारत-विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है। प्रधानमंत्री हमेशा सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्य करते हैं। वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं। आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा हुआ है तथा विश्वपटल पर देश को एक नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो काम हो रहा है उसका हमारे प्रदेश को भी बड़ा लाभ मिल रहा है। प्रदेश में रेलवे के विकास के लिए केंद्र सरकार इस साल लगभग 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। यह राशि 2014 से पहले की तुलना में 15 गुना अधिक है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की प्राथमिकताओं को समझते हुए बिजली एवं पानी के क्षेत्र में सरकार निरंतर निर्णय ले रही है। जहां एक ओर रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वहीं, बिजली के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा एवं गरीब के कल्याण के लिए काम कर रही है। हमने 5 साल के कार्यकाल में युवाओं को 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पिछले वर्ष यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए हरियालो राजस्थान की शुरुआत की और पिछले वर्ष हमने साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि आने वाली 27 जुलाई को हरियाली तीज के दिन हम ढाई करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। हम हरियालो राजस्थान के माध्यम से इस वर्ष प्रदेश में 10 करोड़ पौधे तथा 5 साल के कार्यकाल में 50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से बारिश के इस सीजन में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने और हरियालो राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में योगदान करने की अपील की। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर प्रदेश के विकास के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रही है। राज्य सरकार प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना शुरू कर 10 हजार गांवों के बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा के ऊपर लाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के माध्यम से प्रदेशभर में शिविर आयोजित कर सरकारी विभागों से जुड़े काम किए गए और लाखों जरूरतमंदों को राहत पहुंचाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल में जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान चलाया गया जिसमें 3 लाख 70 हजार कार्यक्रम आयोजित किए गए और ढाई करोड़ से अधिक लोगों ने अपनी भागीदारी की। उन्होंने कहा कि हमने इस साल जनवरी में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत राज्य में चार साल में 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के लक्ष्य पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर हर क्षेत्र में सुशासन की मिसाल कायम हो रही है। हमारे डेढ़ साल के कामकाज उनके पूरे पांच साल के कार्यकाल पर भारी हैं। हम प्रदेश को ऊर्जा में सरप्लस स्टेट बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इसी क्रम में हमने बिजली उत्पादन क्षमता में 4 हजार 270 मेगावाट की वृद्धि की, जबकि गत सरकार 5 वर्षों में 3 हजार 948 मेगावाट बढ़ा पाई। हमने डेढ़ साल में किसानों को 253 लाख मीटर से अधिक तारबंदी के लिए अनुदान उपलब्ध कराया है, जबकि गत सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 113 लाख मीटर के लिए अनुदान दिया था। उन्होंने कहा कि हमने 18 महीनों में 32 हजार से अधिक फार्म पौंड बनवाए जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने 5 साल में केवल 29 हजार पौंड बनवाए। पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे 5 साल में केवल 49 पशुचिकित्सालयों को प्रथम श्रेणी चिकित्सालयों में क्रमोन्नत किया, जबकि हमने डेढ़ साल में ही 55 पशु चिकित्सालयों को क्रमोन्नत कर दिया।

तकनीकी शिक्षा राष्ट्र विकास की बने संवाहक : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने युवाओं का आह्वान किया है कि उन्हें तकनीकी ज्ञान को 'रोजगार' तक सीमित न रखें बल्कि 'राष्ट्र पहले' की भावना से नवाचार, उद्यम और जनकल्याण में इसका प्रयोग करना चाहिए। बागड़े बुधवार को एमबीएम विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में तकनीकी शिक्षा की भूमिका का स्मरण कराते हुए कहा कि शिक्षा केवल औपचारिक डिग्री तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि यह समाज एवं देश के प्रति दायित्व बोध का माध्यम बने।

उन्होंने कहा कि नवगठित एमबीएम विश्वविद्यालय ने अल्प समय में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) के तहत स्वीकृत 20 करोड़ की राशि, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना, एआई एवं डेटा साइंस जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम, 5जी स्पेक्ट्रम लैब तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इसके उदाहरण हैं। राज्यपाल ने छात्राओं की उल्लेखनीय भागीदारी को महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक संकेत बताया।

उन्होंने विश्वविद्यालय की 'विद्यादान' परंपरा को शिक्षा के सर्वसुलभिकरण की दिशा में अनुकरणीय पहल बताया। इस अवसर राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए। इस मौके पर 717 स्नातक (जिसमें 32 बी.आर्किटेक्चर एवं 30 एमसीए), 117 स्नातकोत्तर, 07 पीएचडी उपाधियाँ और 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

समारोह के विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री डा प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि तकनीकी शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय उन्नति का माध्यम है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति नवाचार की जननी है और उन्हें चाहिए कि वे केवल डिग्री तक सीमित न रहकर नवाचार करें, स्वरोजगार अपनाएं और अन्य युवाओं को भी प्रेरित करें।

धनखड़ का इस्तीफाः गहलोत बोले- अचानक क्या हुआ कि शाम को इस्तीफा हो गया, स्वास्थ्य तो ठीक था?

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक दिए गए इस्तीफे के मुद्दे पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस्तीफे के लिए दिए गए स्वास्थ्य कारणों पर संदेह जताते हुए कहा कि यह देश के लिए चौंकाने वाला है कि दिन भर काम करने के बाद अचानक शाम को उनका इस्तीफा हो गया। गहलोत ने कहा, मैं इस राय का हूं कि उनका स्वास्थ्य ठीक था। मेरी धारणा ये है, कभी वह खुद बोलेंगे तो बताएंगे आपको। मेरी दृष्टि में उनका स्वास्थ्य ठीक था, दिन भर उन्होंने काम भी किया, अचानक क्या हुआ कि शाम को इस्तीफा हो गया? अचानक क्या हुआ? गहलोत ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद की अपनी एक गरिमा है, और यह नौबत क्यों आई, यह एक बड़ा सवाल है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने इस मामले में कांग्रेस के स्टैंड को लेकर चल रही बहस पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले कांग्रेस उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लेकर आई थी और सदन के अंदर-बाहर शिकायतें भी करती थी, लेकिन अब कुछ नेता कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी को उन्हें समझाना चाहिए था। गहलोत ने कहा कि विपक्ष को अक्सर अध्यक्ष या सभापति से शिकायत रहती है, क्योंकि वे ज्यादा समय चाहते हैं, और कुछ लोग अपनी पार्टी के प्रति झुकाव भी रखते हैं। उन्होंने राजस्थान में सीपी जोशी और परसराम मदेरणा जैसे निष्पक्ष स्पीकर का उदाहरण भी दिया।

आर्थिक सशक्तिकरण के साथ नागरिकों का जीवन स्तर हो रहा बेहतर : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान – हरियाळो-राजस्थान' के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं लोकार्पण समारोह जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत शिकारपुरा पं. स. लूणी में बुधवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। पटेल ने 63.53 लाख रूपये की लागत के 5 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण को केंद्र में रखकर काम कर रही है। उन्होंने कहा हर वर्ग के लिए प्रभावी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनका लाभ आमजन तक पहुँच रहा है।

पटेल ने कहा डबल इंजन की सरकार प्रदेश को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि हर वर्ग के जीवन स्तर को भी ऊंचा उठा रही है। संसदीय कार्य मंत्री ने शिकारपुरा धाम में राजेश्वर भगवान के 82 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने राजेश्वर भगवान की पूजा अर्चना कर प्रदेश में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की। कार्यक्रम में शिकारपुरा धाम के महंत दयाराम महाराज का पावन सानिध्य श्रद्धालुओं को मिला।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कृषि एवं किसान कल्याण की दिशा में प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 9 हजार रूपये प्रति वर्ष की गई है।

पटेल ने कहा पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की महती आवश्यकता है, पेड़ों का महत्व हम सभी ने कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी के दौरान अनुभव किया। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान की बदौलत हमारे वन क्षेत्र में निरंतर वृद्धि हो रही है। जिससे न केवल पर्यावरण संतुलन बना है, बल्कि वन्यजीवों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा खेजड़ी जैसे पारंपरिक और पर्यावरण हितैषी वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन आवश्यक है।

तीज उत्सव युवा पीढ़ी के लिए राजस्थान की रंग-बिरंगी संस्कृति परम्पराओं से रूबरू होने का अवसर : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी अध्यक्षता में एवं प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति राजेश यादव तथा पर्यटन आयुक्त रूकमणि रियाड़, जयपुर नगर निगम हेरिटेज महापौर कुसुम यादव एवं जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर की उपस्थिति में बुधवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में 27 एवं 28 जुलाई को जयपुर में आयोजित होने वाले दो दिवसीय तीज उत्सव की तैयारी के सम्बन्ध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके निवास पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को भेंट कर जयपुर में आयोजित हो रहें तीज उत्सव में पधारने के लिए आमंत्रित किया। इससे पूर्व मंगलवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे को भी तीज उत्सव में पधारने के लिए आमंत्रित किया है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि तीज उत्सव में शामिल होने के लिए राजस्थान विधानसभा सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को भी मंगलवार को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर राज्य का पूरा मंत्री मंडल भी आमंत्रित किया जा रहा है। जयपुर के विधायक एवं पार्षद एवं जन प्रतिनिधिगण भी तीज उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किये जा रहें हैं। दिया कुमारी ने कहा कि तीज उत्सव युवा पीढ़ी के लिए राजस्थान की रंग-बिरंगी संस्कृति परम्पराओं से रूबरू होने का अवसर है। उन्होंने बताया कि इस बार तीज उत्सव बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भव्य रूप से आयोजित होने वाले तीज उत्सव में राजस्थान की लोक कलाओं में निपुण लगभग 200 लोक – कलाकार अपनी कलाओं के प्रदर्शन से जयपुर वासियों सहित यहां आने वाले देशी विदेशी पर्यटकों को अभिभूत करेंगे।

लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध की जाए कार्यवाही : मंजू राजपाल

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी समितियों की ऑनलाइन ऑडिट होने से उनके कामकाज में पारदर्शिता आएगी, जिससे आमजन का उन पर विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने ई-ऑडिट की अब तक की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए आगामी दिनों में अधिक सक्रियता के साथ काम कर समयबद्ध रूप से कार्य सम्पन्न करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

श्रीमती राजपाल बुधवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से पैक्स कम्प्यूटराइजेशन प्रोजेक्ट की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कुछ केन्द्रीय सहकारी बैंकों के स्तर पर इस दिशा में अच्छा कार्य हो रहा है, लेकिन कई सीसीबी को

निर्धारित लक्ष्य अर्जित करने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने मुख्यालय स्तर से इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने तथा कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने गो-लाइव, डे एंड, डायनामिक डे एंड, हैण्ड होल्डिंग एवं ई-पैक्स के बीच के अंतर को दूर करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन पैक्स, ऑडिटर अथवा केन्द्रीय सहकारी बैंकों के स्तर पर इस कार्य में निरन्तर लापरवाही बरती जा रही है, उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां भी ई-ऑडिट के कार्य में समस्या आ रही है, वहां विभागीय ऑडिटर नियुक्त किया जाकर प्रक्रिया सम्पन्न करवाई जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन कार्य के लिए नियोजित सिस्टम इंटीग्रेटर को भी अधिक सक्रिय होकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में अधिक गैप्स हैं, वहां अधिक संख्या में कर्मचारी लगाये जाएं। कर्मचारी प्रशिक्षित एवं कार्यकुशल होने चाहिए। श्रीमती राजपाल ने कहा कि जिन जिलों में पर्याप्त संख्या में स्टाफ है, वहां अच्छी प्रगति सामने आ रही है, इसलिए अन्य जिलों में भी इसी प्रकार के प्रयास किए जाएं।

बिहार के रेलवे बजट में ऐतिहासिक उछाल, 11 वर्षों में 9 गुना बढ़ोतरी : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार को मिला रेलवे विकास का नया आयामः अश्विनी वैष्णव

शिवहर–सीतामढ़ी रेल परियोजना को मिली तेज़ गति, बागमती नदी पर ब्रिज का टेंडर जारी

अमृत भारत ट्रेनें बनीं गरीबों की सुविधा का प्रतीक, बिहार को मिली नई कनेक्टिविटी

गोरखपुर/भाषा। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में बिहार में रेलवे के तहत हो रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को रेलवे क्षेत्र में ऐतिहासिक लाभ प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया की बिहार में 11 वर्ष पूर्व राज्य के लिए रेलवे बजट मात्र रुपए1132 करोड़ था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

बढ़ाकर रुपए 10,000 करोड़ कर दिया है। यह नौ गुना वृद्धि बिहार की आकांक्षाओं और जरूरतों के प्रति केंद्र सरकार की गहन प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, आखिरकार, इन परियोजनाओं की शुरुआत भी एनडीए सरकार ने की थी और समापन भी एनडीए सरकार ने किया है। इससे स्पष्ट है कि बिहार की जनता के साथ न्याय केवल एनडीए ही कर सकती है।

शिवहर–सीतामढ़ी रेलवे प्रोजेक्ट को मिली नई गति :

लोकसभा में चर्चा के दौरान शिवहरसीतामढ़ी परियोजना पर बोलते हुए वैष्णव ने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। बागमती नदी पर बनने वाला पुल, जो देकुली धाम शिवहर को जोड़ेगा, उसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस परियोजना के भूमि अधिग्रहण के लिए रुपए 262 करोड़ की राशि पहले ही जमा कर दी गई है और कार्य तेजी से प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, सीतामढ़ीशिवहर नई रेल लाइन परियोजना के लिए रुपए 557 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं, और उसका कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है।

अमृत भारत ट्रेनों की सौगात :

वैष्णव ने यह भी कहा कि बिहार के विभिन्न क्षेत्रों को नई अमृत भारत ट्रेनों से जोड़ा गया है, जो पटना से दिल्ली, दरभंगा से दिल्ली, और दरभंगा से बैंगलोर जैसे प्रमुख मार्गों पर शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा की अमृत भारत ट्रेनें प्रधानमंत्री जी की एक दूरदर्शी योजना का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य यह है कि गरीब से गरीब वर्ग को भी बेहतर और आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल सेवा उपलब्ध कराई जा सके।

एसआईआर को लेकर

बिहार विधानसभा में तेजस्वी और नीतीश के बीच तीखी बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में बुधवार को उस समय नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला जब विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी बयान के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हस्तक्षेप के बाद तीखी बहस शुरू हो गई। सदन की कार्यवाही पूर्वा 11 बजे शुरू हुई लेकिन हंगामा बढ़ने पर विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने 30 मिनट बाद ही इसे अपरा दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। यादव ने असंसदीय भाषा के इस्तेमाल को लेकर कई विपक्षी नेताओं के प्रति नाराजगी जाहिर की और बार–बार अनुरोध के बावजूद शांत नहीं होने पर सत्तापक्ष के सदस्यों के समक्ष भी अप्रसन्नता जाहिर की। राज्य में निर्वाचन आयोग की कवायद के विरोध में काली टी–शर्ट पहनकर पहुंचे विपक्ष के नेता को विधानसभा अध्यक्ष ने एसआईआर के मुद्दे पर बयान देने की अनुमति दी। इस मुद्दे को लेकर मंगलवार को भी सदन के अंदर और बाहर प्रदर्शन किया गया था। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता को बोलने देने से पहले विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, ''कल कुछ बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुईं। सदन के कुछ कर्मचारी भी घायल हुए। कृपया सुनिश्चित करें कि आज ऐसा कुछ न हो।'' यादव ने कहा, ''हम विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोधी नहीं हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग जिस तरह से इस प्रक्रिया को लागू कर रहा है, वह आपत्तिजनक है।

अवैध प्रवासियों के प्रवेश के खिलाफ मणिपुर सरकार ने परामर्श जारी किया

इंफाल/भाषा। मणिपुर सरकार ने पड़ोसी देशों में अशांति के कारण संभावित घुसपैठ की चिंताओं के बीच बुधवार को सभी अंतरराष्ट्रीय, अंतरराज्यीय और जिलों की सीमाओं पर सतर्कता बढ़ाने के लिए एक परामर्श जारी किया है। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

ओडिशा में प्रेमी ने सार्वजनिक कीं निजी तस्वीरें, छात्रा ने किया आत्महत्या का प्रयास

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में नर्सिंग की एक छात्रा ने प्रेमी द्वारा कथित तौर पर उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने के बाद जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। नबरंगपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मडकर संदीप संपत ने फोन पर 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि द्वितीय वर्ष की नर्सिंग की छात्रा का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है, जबकि पुलिस ने उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया है। कॉलेज के छात्र और मामले में आरोपी ने कथित तौर पर 17 जुलाई को तस्वीरें और वीडियो अपलोड किए थे, जब उसे जयपुर जिले में छात्रा पर हमला करने के एक मामले में जमानत मिली थी।

समाज और श्रम बाजार पर

नई प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करने की जरूरत : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को समाज और श्रम बाजार पर उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इनका रोजगार के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

भारतीय मजदूर संघ की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने असंगठित क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि श्रमिकों को अपने नियोक्ताओं द्वारा किसी भी प्रकार के शोषण का सामना न करना पड़े। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया तथा विभिन्न मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। भागवत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इसके उपयोग से जुड़ी चिंताओं का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''प्रौद्योगिकी आ रही है... जब नई प्रौद्योगिकियां आती हैं, तो वे साथ में कई नए प्रश्न भी लेकर आती हैं। बेरोजगारी का क्या होगा? क्या इससे बेरोजगारी घटेगी या बढ़ेगी?'' उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी मानव स्वभाव को ''कुछ हद तक कठोर'' बना देती है और ''कहीं न कहीं'' श्रम के प्रति सम्मान को कम कर देती है। संघ प्रमुख ने कहा, ''प्रौद्योगिकी को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। नई प्रौद्योगिकी आएगी, लेकिन इसका उपयोग कैसे किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इसका श्रम क्षेत्र पर प्रभाव न पड़े, इस पर विचार किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''नई प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से समाज में नई समस्याएं पैदा होने के बजाय, खुशहाली आनी चाहिए।

दक्षिण भारत के बेंगलूरु में बनेगा पहला अणुव्रत भवन, चिप्पड़ बने संयोजक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अणुव्रत समिति की नई कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में अध्यक्ष ललित बाबेल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में भवन में चातुर्मास करने आए मुनि डॉ पुलकित कुमारजी ने उपस्थित होकर गणाधिपति गुरुदेव तुलसी के आयामों को जन जन तक पहुंचाने के लिए सतत् कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शहर में अणुव्रत समिति का अपना एक भवन होना चाहिए, जिसके लिए पूरे समाज को एक होकर प्रयास करना चाहिए। मुनिश्री की प्रेरणा को साकार करने हेतु परामर्शक कन्हैयालाल चिप्पड़ एवं हस्तीमल हिरन ने अणुव्रत भवन बनाने के लिए भरपूर योगदान देने की भावना रखी।

बैठक में सर्वसम्मति से अणुव्रत भवन निर्माण के लिए कन्हैयालाल चिप्पड़ को ही संयोजकीय दायित्व सौंपा गया। बैठक में भावी कार्यों पर भी चर्चा हुई तथा अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट की जिला स्तरीय प्रतियोगिता की तिथि व स्थान को लेकर भी विचार विमर्श हुआ। इस मौके पर महासभा के हुब्बल्ली संभाग के आंचलिक प्रभारी रमेश चोपड़ा का सम्मान किया गया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष देवराज रायसोनी, परामर्शक माणकचंद मुथा, कन्हैयालाल चिप्पड़, हस्तीमल हिरण, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मांडोत, संगठन मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, सहमंत्री सुरेश चावत, अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतियोगिता की राज्य प्रभारी शांति सकलेचा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर समिति के अनेक सदस्य उपस्थित थे। बैठक का संचालन मंत्री लाभेश कांसवा ने किया।

भाजपा ने सपा पर मस्जिद में राजनीतिक बैठक करने का आरोप लगाया, अखिलेश का पलटवार

नई दिल्ली/भाषा। संसद के पास स्थित एक मस्जिद के अंदर राजनीतिक बैठक आयोजित करने के भाजपा के आरोप पर समाजवादी पार्टी (सपा) ने बुधवार को कहा कि यह एक सामाजिक मेलजोल था और सत्तारूढ़ दल बिहार में मतदाता सूची संशोधन और पहलगाम हमले में 'खुफिया विफलता' जैसे वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए लोगों को गुमराह कर रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पार्टी सांसद मोहिबुल्ला नदवी (जो संसद के पास स्थित मस्जिद के इमाम भी हैं), डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, जिया उर रहमान बर्क सहित अन्य लोगों की मस्जिद में बैठे हुए एक तस्वीर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने साझा की और दावा किया कि यह एक राजनीतिक बैठक थी। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि अखिलेश यादव ने संसद के पास स्थित मस्जिद में राजनीतिक बैठक की थी।

विधानसभा मार्च के दौरान पार्टी समर्थकों के घायल होने के बाद

पटना पुलिस पर भड़के प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की बुधवार को पार्टी के विधानसभा मार्च को रोकने के लिए किए गए हल्के बल प्रयोग में कुछ समर्थकों के घायल होने के बाद पुलिस से झड़प हो गई।

पटना सेंट्रल की पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीक्षा के अनुसार, समर्थकों को विधानसभा परिसर से कुछ सौ मीटर दूर चितकोहरा गोलचक्कर पर रोक लिया गया। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, यह एक प्रतिबंधित क्षेत्र है, जहां किसी सार्वजनिक सभा या प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। इसलिए जब भीड़ को विधानसभा परिसर की ओर बढ़ते देखा गया तो अवरोधक लगा दिए गए और जब उन्होंने जबरन आगे बढ़ने की कोशिश की तो हल्का बल प्रयोग किया गया। पार्टी कुछ महीने पहले किशोर द्वारा शुरू किए गए हस्ताक्षर अभियान के दौरान एकत्र किए गए एक करोड़ हस्ताक्षरों के साथ मार्च निकाल रही थी। मार्च का उद्देश्य नीतीश कुमार सरकार द्वारा दो साल पहले किए गए जाति सर्वेक्षण के बाद गरीबों को सहायता प्रदान करने में कथित विफलता और भूमि सर्वेक्षण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को रोकने में असमर्थता को उजागर करना था। किशोर ने मार्च स्थल पर ही धरने पर बैठने का फैसला किया, जिससे पटना हवाई अड्डे को विधानसभा परिसर, सचिवालय, राजभवन और मुख्यमंत्री आवास जैसे वीआईपी क्षेत्रों से जोड़ने वाले गोलचक्कर के पास यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, दो महीने से हम इन मुद्दों को उठाने के लिए सरकार के प्रतिनिधियों से मिलने का समय मांग रहे हैं। अब जब कोई विकल्प नहीं बचा है और हम सड़कों पर उतर आए हैं। मुझे बताया जा रहा है कि मुख्य सचिव पांच सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल से मिलने के लिए तैयार हैं।

किशोर ने कहा, इसका क्या मतलब होगा? मुख्य सचिव के पास क्या शक्ति है? हमें मुख्यमंत्री से मिलने का समय चाहिए। जब तक हमें मुख्यमंत्री से मिलने का समय नहीं मिल जाता, मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं।

चिराग पासवान ने बिहार में एसआईआर पर विपक्ष के 'दोहरे मानदंड' की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष पर दोहरा मानदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को इसकी आलोचना की और सवाल किया कि वे उस कवायद पर कैसे आपत्ति कर सकते हैं जिसकी उन्होंने पूर्व में मांग की थी। जनता दल (यूनाइटेड) के राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा ने एसआईआर की वकालत करते हुए कहा कि फर्जी मतदान को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग की यह कवायद जरूरी है। बाईस साल बाद, निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची से अपात्र लोगों को हटाने और सभी पात्र नागरिकों को सूची में शामिल करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण में जुटा हुआ है। आयोग के अनुसार, इससे उन मतदाताओं की 'डुप्लिकेट' प्रविष्टियों को हटाने में भी मदद मिलेगी, जिनके नाम कई जगहों पर मतदाता सूची में हैं। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पासवान ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''यह मेरी समझ से परे है कि जब कोई समस्या होती है तो आप शिकायत करते हैं और समाधान पर भी सवाल उठाते हैं।''

अरसीकेरे में शांतिसूरी धाम तीर्थ की 22 फरवरी को होगी मंगलमय प्रतिष्ठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर के खिंवेसरा भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वर जी ने सभा में अरसीकेरे स्थित दक्षिण शांतिसूरी धाम तीर्थ की प्रतिष्ठा महोत्सव तिथि की घोषणा करते हुए आगामी वर्ष के 22 फरवरी का शुभ मुहूर्त प्रदान किया। इस मौके पर आचार्य देवेंद्रसागरजी ने कहा कि विजयशांति गुरुदेव ने अपने जीवन में अनेक कठिन व्रत, उपवास और नियमों का पालन कर अनगिनत साधकों को संयम की राह दिखाई। यह प्रतिष्ठा केवल एक आयोजन नहीं है अपितु पुण्य अर्जन का अवसर है।

आने वाले समय में यह तीर्थ विजयशांतिसूरि गुरुदेव की कीर्ति एवं जिनशासन की स्थायी प्रभावना का प्रेरणास्रोत बनेगा। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के अध्यक्ष अशोककुमार सुराना ने आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। विजयशांतिसूरी ट्रस्ट के चेयरमैन ताराचंद राठौड़ ने अंतर्राष्ट्रीय विधिकारक मनोजकुमार रण के मार्गदर्शन में होने वाले इस प्रतिष्ठा महोत्सव में सभी श्रद्धालुओं को शामिल होने का न्यौता दिया। अध्यक्ष सुरेशकुमार वेदमुथा व महासचिव विजयकुमार सुराना ने बताया कि प्रतिष्ठा निमित्त चढ़ावे आगामी 10 अगस्त को आयोजित किए गए हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु व राजाजीनगर संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिहार में आपराधिक घटनाओं में हालिया वृद्धि के पीछे विपक्ष की साजिश : गिरिराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में आपराधिक घटनाओं में हालिया वृद्धि के पीछे ''विपक्ष की साजिश'' का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने कभी भी अपराधियों को संरक्षण नहीं दिया और राज्य में अपराधियों को पकड़ने के लिए नीतीश कुमार सरकार ने त्वरित कार्रवाई की है। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विपक्षी दलों द्वारा विरोध किए जाने की आलोचना की तथा उन पर इस कवायद के खिलाफ बिहार विधानसभा और संसद में ''गुंडागर्दी'' करने का आरोप लगाया।

सिंह ने कहा कि एसआईआर की कवायद के जरिये मतदाता सूची से ''फर्जी मतदाताओं'' और ''घुसपैठियों'' के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक बिहार में अपराध से जुड़े आरोपों का सवाल है, पिछले तीन–चार महीनों में इसमें तेजी आई है। सिंह ने कहा, ''मेरा आरोप है कि इसमें विपक्ष की भी साजिश है क्योंकि जो लोग पकड़े जा रहे हैं, वे या तो किसी

खास जाति या किसी खास समुदाय से हैं, चाहे वह खेमका हत्याकांड हो या पारस अस्पताल की घटना।'' बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट से भाजपा सांसद ने कहा कि अपराध पर अंकुश लगाना सरकार का कर्तव्य है और अपराधियों को संरक्षण देना ''पाप'' है, जो राज्य में ''राजद (राष्ट्रीय जनता दल) शासन के दौरान हुआ।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''लालू प्रसाद के शासनकाल में अपराधियों से सौदेबाजी मुख्यमंत्री आवास में होती थी।'' सिंह ने कहा, ''एनडीए (राजग) ने कभी भी अपराधियों को संरक्षण नहीं दिया। अपराधियों को पकड़ने के लिए त्वरित कार्रवाई की जाती है।'' बिहार में एसआईआर की कवायद के संबंध में विपक्षी दलों के आरोपों पर सिंह ने कहा कि उन्हें इस बात से पीड़ा हो रही है कि मतदाता सूची से ''फर्जी'' मतदाताओं और घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए कहा, ''जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम हटाए जा रहे हैं। जो लोग बाहर चले गए हैं, उनके नाम भी हटाए जा रहे हैं। अगर कोई विदेशी, रोहिंग्या, बांग्लादेशी या घुसपैठिया है, तो ऐसे लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं।'' सिंह ने कहा कि चुनाव में केवल भारतीय नागरिक ही मतदान करेंगे। उन्होंने एसआईआर की कवायद पर हंगामा खड़ा करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की। उन्होंने कहा, हाल ही में बिहार विधानसभा में (विपक्ष की) अराजकता और गुंडागर्दी देखने को मिली। विपक्षी दल संसद भवन परिसर में भी प्रदर्शन कर रहे हैं और संवैधानिक व्यवस्था पर आरोप लगा रहे हैं।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दीर्घायु इंस्टीट्यूशन ऑफ योग संस्थान द्वारा गंगोंडनहली स्थित कनक भवन में राज्य स्तरीय योग स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें 600 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

सुविचार

आत्मविश्वास वह शक्ति है जो आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भाषा के प्रचार का यह कैसा तरीका?

इन दिनों महाराष्ट्र में जिस तरह मराठी बनाम हिंदी भाषा का मुद्दा उछाला जा रहा है, वह हमारे देश के लिए शुभ संकेत नहीं है। कुछ नेता अपना वोटबैंक पक्का करने के लिए देशवासियों को एक-दूसरे के खिलाफ उकसा रहे हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। लोगों को यह बात समझनी होगी कि विविधता में एकता हमारे देश की ताकत है। अगर हम भाषावाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद के नाम पर आपस में लड़ते-भिड़ते रहेंगे तो देश कमजोर होगा। भारतविरोधी ताकतें चाहती हैं कि देश में ऐसे हालात पैदा हों कि लोग किसी-न-किसी बहाने से एक-दूसरे का गिरेबान पकड़ें। लोगों को सोचना होगा कि कहीं हम अनजाने में उनके मंसूबे तो पूरे नहीं कर रहे हैं? मराठी बहुत सुंदर भाषा है। यह महान संतों और योद्धाओं की भाषा है। जब भी इस भाषा का उल्लेख होता है, छत्रपति शिवाजी महाराज की छवि का स्मरण हो जाता है। जो लोग महाराष्ट्र में रहते हैं, अगर वे मराठी भाषा सीखेंगे तो उनके लिए विभिन्न कार्यों में आसानी होगी। यह बात हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में लागू होती है। जो व्यक्ति किसी जगह की भाषा जानता है, वह उधर आसानी से संवाद कर सकता है, लोगों के साथ घुलमिल सकता है। भाषा सीखने के अपने फायदे हैं, लेकिन इसके लिए लोगों को धमकाना, अपमानित करना गलत है। क्या इस तरह अपनी भाषा का प्रचार किया जा सकता है? इससे अन्य लोगों में क्या संदेश जाएगा? क्या वे अपमानित महसूस करने के बाद उस भाषा और समाज के लिए अपने मन में सम्मान की भावना रखेंगे?

कोई भी भाषा रातोंरात नहीं सीखी जा सकती। उसमें समय लगता है। कुछ लोग पांच साल में संबंधित भाषा नहीं सीख पाते, वहीं ऐसे लोग भी मिल जाएंगे, जो दो-चार महीने में बढ़िया पकड़ बना लेते हैं। हर व्यक्ति की सीखने की क्षमता अलग-अलग होती है। ऐसे में राह चलते, बाजार में खरीदारी करते किसी शख्स को रोक कर यह कहना कि 'हमारी भाषा में बात करें, अन्यथा राज्य छोड़कर चले जाएं', कहां तक उचित है? ऐसी हरकतों से कुछ लोग भयभीत हो सकते हैं, लेकिन कुछ लोग डटकर विरोध भी कर सकते हैं। वे संबंधित भाषा सीखने से साफ इन्कार कर सकते हैं। क्या भाषावाद के नाम पर सियासी रोटियां सेक रहे नेता जानते हैं कि इससे सामाजिक सद्भाव पर क्या असर होगा? हमारे देश की सभी भाषाएं बहुत सुंदर हैं। उनमें उत्कृष्ट साहित्य रचा गया है। उनका व्याकरण अद्भुत है। भाषा का प्रचार-प्रसार प्रेम और सद्भाव से ही किया जा सकता है। भाषा के नाम पर लोगों को सताने, चिढ़ाने से नेताओं को क्षणिक लाभ तो मिल सकता है, लेकिन इससे देश में एकता की डोर कमजोर हो सकती है। अगर किसी इलाके में लंबी अवधि तक भाषावाद का मुद्दा प्रबल रहेगा तो उससे निवेशक मुंह मोड़ सकते हैं। वे उन राज्यों का रुख कर सकते हैं, जो भाषा के मामले में 'उदार' हों। क्या इससे भाषावाद प्रभावित इलाकों में लोगों के आर्थिक हितों को नुकसान नहीं होगा? जो नेता आज भाषावाद के नाम पर लोगों को भड़का रहे हैं, वे भविष्य में कोई और शिगूफा छोड़ेंगे, उससे वोटबैंक बनाने की चाल चलेंगे। यह सिलसिला हमें कहां लेकर जाएगा? इससे जनता को क्या फायदा होगा? लोगों में फूट डालने वाले ऐसे नेता और उनके परिजन कभी तो विदेश जाते होंगे! अगर वहां उनसे स्थानीय लोग कहने लगें कि 'यहां आना है तो हमारी भाषा बोलें', तो उन्हें कैसा लगेगा? भाषाओं को जोड़ने का माध्यम बनाएं, तोड़ने का नहीं। इस देश को एकजुट करने के लिए हमारे पूर्वजों ने असंख्य बलिदान दिए हैं। जो नेता किसी भी तरीके से देशवासियों में भेद पैदा करने की कोशिश करे, उससे सावधान रहें।

ट्वीटर टॉक

अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ में कावड़ यात्रा के दौरान हुए हादसे में दो श्रद्धालुओं के निधन एवं कई लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुःखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें।

-दीया कुमारी

जन सेवा ही राजनीति का प्रथम उद्देश्य है। आज जयपुर स्थित राजकीय आवास पर जन सुनवाई के समय जनमानस द्वारा प्रकट समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए । समस्याओं का त्वरित समाधान ही मेरी प्राथमिकता है।

-मदन दिलावर

संसद के संविधान सदन में आज महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी की जयंती पर भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। स्वराज को जन्मसिद्ध अधिकार घोषित कर स्वतंत्रता संग्राम को जनआंदोलन में परिवर्तित करने वाले युगपुरुष को शत-शत नमन।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

भविष्य की कला

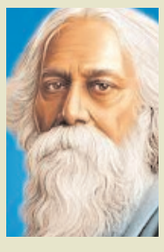

शांतिनिकेतन में एक प्रदर्शनी लगी थी, जिसमें विद्यार्थियों की बनाई चित्रकला प्रदर्शित हो रही थी। रवींद्रनाथ ठाकुर वहां आए। चित्र देखते हुए उनकी नज़र एक कोने में रखी बेहद साधारण-से चित्र पर पड़ी जिसमें पेड़, सूरज और एक पक्षी था। उन्होंने उसे गौर से देखा और पास खड़े शिक्षक से पूछा, 'यह किसने बनाया?' शिक्षक ने कहा, 'यह एक 9 साल का लड़का है, जो गांव से आया है। अभी सीख ही रहा है, चित्र साधारण है।' गुरुदेव मुस्कुराए और बोले, 'यह चित्र साधारण नहीं है, इसकी आंखें गहरी हैं। इसमें डर नहीं है, यही कला की पहली निशानी है।' उन्होंने उस चित्र के नीचे अपने हाथ से लिखा'इस चित्र में भविष्य बोल रहा है।' वह बालक, जिसे लोग सामान्य समझते थे, वर्षों बाद प्रसिद्ध चित्रकार बिनोद बिहारी मुखर्जी बना शांतिनिकेतन का स्तंभ और बाद में रवींद्रनाथ के ही संग्रहालयों का सज्जाकार।

सामयिक

मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

क्या रह जुलाई 2006 को मुंबई की भीड़भरी लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया था। पीडित परिवारों के साथ-साथ जन-जन को आहत किया था। 7 जगहों पर हुए इन धमाकों में 187 निर्दोष लोगों की जान गई और 824 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भारत के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था। लेकिन इन बम धमाके को लेकर सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया, कोर्ट ने विशेष मकोका अदालत की ओर से 12 अभियुक्तों को दी गई सजा को गैरकानूनी करार दिया। इन सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ-साथ चिन्ता भी पैदा करता है। इसीलिये करीब 19 साल बाद आए अदालत के इस फैसले को लेकर न केवल कानूनी दायरे में, बल्कि सामाजिक व नैतिक दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

लम्बी न्यायिक प्रक्रिया एवं जांच के बाद 2015 में मुंबई की विशेष मकोका अदालत ने 12 अभियुक्तों को दोषी करार दिया, जिसमें से 5 को फांसी और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह फैसला लगभग 8 वर्षों की सुनवाई, 250 से ज्यादा गवाहों और हजारों पन्नों की गवाही के बाद आया। लेकिन 2023 और फिर 2025 में कुछ सिविल सोसाइटी संगठनों, मानवाधिकार समूहों और कुछ कानूनी विशेषज्ञों ने फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ दोषियों को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया, पुलिस की जांच पक्षपातपूर्ण रही और कई जगह कानून के दायरे का अतिक्रमण किया गया।

इसी को आधार बनाकर हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ायी, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर एवं लापरवाहीपूर्ण जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही एवं कौताही बरती गई।

कानून की दृष्टि में अपराध केवल घटना नहीं, उस घटना के पीछे की मंशा, सबूतों की पुष्टि, प्रक्रिया की शुद्धता और निष्पक्षता का भी मूल्यांकन करता है। दोषी को सजा मिलनी चाहिए-यह एक सार्वभौमिक सिद्धांत है, लेकिन निर्दोष को दंड न मिले-यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। भारतीय दंड संहिता, मकोका और गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) जैसे सख्त कानून आतंकवाद से निपटने के लिए बनाए गए, लेकिन इनका उपयोग अक्सर राजनीतिक प्रभाव, मीडिया ट्रायल, या जनभावनाओं को शांत करने के लिए किया गया है। ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में अनेक ज्वलंत सवाल खड़े हुए हैं कि क्या सभी दोषियों को वास्तव में पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दोषी ठहराया गया है? यदि नहीं, तो यह न्याय व्यवस्था के लिए एक गंभीर प्रश्न है। क्या पुलिस या जांच एजेंसियों ने निष्पक्ष जांच की? कई बार जांच एजेंसियों पर नतीजे पहले, जांच बाद में' का आरोप लगा है। क्या विशेष अदालतों का गठन निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करता है या त्वरित दंड की नीति अपनाता है? क्या कानून केवल सख्ती का पर्याय बन गया है या उसमें मानवीय संवेदना का स्थान है? क्या मीडिया ट्रायल ने वास्तविक न्याय को प्रभावित किया? इन प्रश्नों के उत्तर मिलना ही चाहिए।

देश के सामने आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की चुनौती है, तो वहीं न्याय की नैतिकता बनाए रखने की भी जिम्मेदारी है। अगर कानून का इस्तेमाल अन्याय के लिए किया गया, तो आतंकवाद के खिलाफ जंग की नैतिकता ही सवालों में पड़ जाएगी। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि नैतिक और विधिसम्मत संतुलन का नाम है। जो निर्दोष है, उसे दोषमुक्त करना और जो दोषी है, उसे यथोचित दंड देना- यही कानून का आदर्श उद्देश्य है। मुंबई बम धमाके जैसी वीभत्स घटनाएं देश के लिए चुनौती हैं, लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के नाम पर अगर हम न्याय और कानून के मूलभूत सिद्धांतों से समझौता करते हैं, तो हम एक असुरक्षित और अन्यायपूर्ण समाज की नींव रखेंगे। आवश्यक है कि न्याय केवल न्यायालयों की प्रक्रिया न रहे, वह जनविश्वास का प्रतीक बने।

एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है। ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें निचली अदालतों में दिये गये मौत की सजा को ऊपरी अदालतों ने बदल दिया। जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज होते हुए बार-बार देखे गये हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए कहा कि 'जब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।' दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना न केवल न्याय प्रक्रिया पर बल्कि जांच एजेंसियों पर सवाल पैदा करता है। प्रश्न है कि अगर 12 लोग निर्दोष थे तो इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी क्यों जीते रहे? अगर ये दोषी थे तो जांच इतनी कमजोर क्यों हुई? यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है।

यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। अब मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र सरकार लोकल ट्रेन बम धमाके में आरोपियों को निर्दोष छोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की है। देश उम्मीद करता है कि इस बार तथ्यों को सही ढंग से रखा जाएगा। यह केवल एक केस नहीं, न्याय व्यवस्था पर आम लोगों के यकीन का मामला है।

भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिए बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये।

एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है।

नजरिया

मौजूदा समय में राष्ट्रवादी जागरण का अभियान है कांवड़ यात्रा!

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

समय के साथ साथ परिवर्तन संसार का नियम है। ऐसे समय मे जब भारतीय डेमोग्राफी को प्रभावित करने के लिए देश विरोधी ताकतों द्वारा विदेशी फंडिंग से लवजेहाद और धर्मांतरण की बड़ी साजिश चल रहीं हैं वही अनेक ईसाई मिशनरिया गुपचुप ढंग से धर्मांतरण के काम को अंजाम दे रही हैतब एक सुप्त समाज के जागरण के लिए समेकित प्रयास जरूरी हो जाता है।

इस वसुंधरा को जीवंत रखने और जीने का अधिकार जिंदा कौमों को होता है यदि जिंदगी है तो उसमे जीवन का उत्सव भरा उत्साह और उमंग भी होना चाहिए इसी उत्सव उल्लास उमंग का यदि करीब से अनुभव महसूसु करना चाहते हैं तो सावन माह में गंगा जल ला रहे करोड़ों कांवड़ियों को देखिए। छोटे अधोवस्त्रों में कांधे पर कांवड़ लेकर पवित्र जल से अपने अराध्य भोले बाबा को जलाभिषेक करने के लिए सैकड़ों हजारों किलोमीटर की कष्ट भरी पदयात्रा हर किसी के बूते की बात नही है दस से पंद्रह दिन के लिए अपने घर बार नौकरी व्यापार को छोड़ कर भगवा अधोवस्त्रों में दुरूह यात्रा करना आसान नहीं है आप को बता देंकि एक कांवड़िया जब अपने घर से जल लेने के लिए कांवड उठा लेता है तो वह सिर्फ भोला कहलाता है उसकी पहचान जाति वर्ण क्षेत्र से नही होती है। जान लीजिए कि यात्रा के दौरान तमाम सौंदर्य प्रसाधन साबुन मंजन क्रीम का उपयोग भी वर्जित होता है। कांवड़ यात्रा स्वयं में एक साधना है अब इस में धर्म अध्यात्म के साथ राष्ट्र व धर्म रक्षा के लिए जागरूकता फैलाने का ध्येय भी जुड़ा है। आपको बता दें कि सबसे अधिक कांवड़ यात्री उत्तराखंड के हरिद्वार से गंगा जल ले कर उठाते हैं।

भगवान शिव की आराधना के लिए श्रावण मास श्रेष्ठ माना जाता है। इस महीने जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर में श्री अमरनाथ धाम की यात्रा के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ते हैं, उसी प्रकार शीघ्र प्रसन्न होने वाले आशुतोष भगवान शिव शम्भू के जलाभिषेक के लिए लाखों युवा, बूढ़े और किशोर भक्तों द्वारा कांवड़ में पवित्र नदियों का जल भर कर ले जाने की परम्परा लम्बे समय से चली आ रही है। श्रावण मास में कांवड़ उठाकर शिवालयों में गंगा जल चढ़ाने की शिव भक्तों की इस परम्परा ने आज एक मेले का रूप धारण कर लिया है। इनमें मात्र कंधे पर कांवड़ उठाकर चलने वाले भक्त ही नहीं होते, दंडवत होकर भारी कष्ट उठाते हुए सारा मार्ग लेट कर पूरा करने वाले शिव भक्त भी होते हैं। इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा पूरे उत्साह से जारी है।

अनेक स्थानों पर कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा करके उनका स्वागत किया जा रहा है तथा कांवड़ यात्रा मे शामिल झाकियां मौजूदा समय में धर्म समाज और राष्ट्र के सामने आ रही चुनौतियों के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास कर रहीं हैं। भक्तों को आकर्षित कर रही हैं हजारों झांकियां देश के बहुसंख्यक हिन्दू समाज को कायरता त्याग कर धर्म समाज की सुरक्षा रक्षा के लिए बिना जाति भाषा भेदभाव के एकजुट होकर धर्मांतरण और लवजेहाद में लगी असामाजिक चरमपंथी ताकतों के खिलाफ जागरूक करने का भी बहुत बड़ा काम कर रहीं हैं। इसी कड़ी में हिन्दू जागरण मंच श्रीगंगानगर नगर राजस्थान के स्वयंसेवी कांवड़ियों द्वारा लवजेहाद के खिलाफ एक मार्मिक झांकी हरिद्वार से श्रीगंगानगर नगर तक की कांवड यात्रा में शामिल कर समाज में जागरूकता का प्रभावी संदेश दिया। इसी तरह 'बागपत' (उत्तर प्रदेश) से लाई गई 'बुल्डोजर कांवड़' लोगों के आकर्षण का विषय बनी हुई है। इसमें बुल्डोजर पर भगवान शिव की भव्य प्रतिमा को भगवा ध्वज के साथ स्थापित किया गया है। एक कांवड़ यात्रा 'आपरेशन सिंदूर' के थीम पर भी निकाली गई है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सेना का चित्र लगाया गया है और शहीद जवानों के फोटो लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी गई है।

'मेरठ' के 4 किसान भाई अपने माता-पिता को कंधे पर बिठा कर कांवड़ यात्रा पर निकले हैं और प्रतिदिन लगभग 15 किलोमीटर की यात्रा करते हैं। इससे पूर्व इन चारों भाइयों ने अपने दादा-दादी को भी इसी प्रकार 2 बार कांवड़ यात्रा करवाई थी इसी प्रकार 'मुजफ्फरनगर' की रहने वाली एक महिला अपने दिव्यांग पति को पीठ पर बिठाकर उसके स्वास्थ्य की कामना के साथ हरिद्वार से गंगाजल लेकर 2 बच्चों के साथ कांवड़ लेकर निकली है।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कांवड़ सेवा शिविर में पहुंची 'कैराना' की सांसद 'इकरा हसन' ने अपने हाथों से भोजन परोस कर साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश की और शिव भक्तों की सेवा कर सबका दिल जीत लिया। 'पटना' जिले के 'मारूफगंज' स्थित 'विशाल शिवधारी संघ' के 500 से अधिक शिवभक्तों ने 'सुल्तानगंज' से गंगाजल भर कर 54 फुट लम्बी विशाल कांवड़ के साथ देवघर के लिए यात्रा शुरू की है। इस कांवड़ पर चांदी का मंदिर, चांदी की छतरी और 6 बड़े घड़े लगे हैं जिनमें कुल 50 लीटर गंगा जल भरा गया है। 'हरिद्वार' से निकाली गई एक अन्य कांवड़ यात्रा में गऊमाता की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय कानून बनाने की मांग की गई है। इसमें कांवड़िए गंगा जल लेकर एक विशेष रथ पर गाय माता की प्रतिमा को स्थापित कर पैदल चल रहे थे 'बागपत' में सोने का काम करने वाले एक शिव भक्त 'अंकित' ने भगवान भोले नाथ की भक्ति में ऐसा रंग जमाया है कि जगह-जगह लोग उसे देखने को रुक जाते हैं। वह अपनी 'गोल्डन मोटरसाइकिल' पर सोने जैसी चमकती शिव प्रतिमा को विराजमान कर हरिद्वार से जल लेकर निकले हैं।

कभी वह भोले बाबा की प्रतिमा को मोटरसाइकिल पर बिठा देते हैं तो कभी श्रद्धा से अपने सिर पर उठा लेते हैं। कहीं लोग फूलों की मालाएं पहनाकर उनका स्वागत करते हैं तो कहीं उनके पैरों में फूल बिछा कर आशीर्वाद ले रहे हैं और 'भोले बाबा की जय', 'गोल्डन बाबा की जय' के नारे लगाते हैं। ऐसे शिवमय वातावरण के बीच कहा जाता है कि चंद कांवड़ियों के वेश में कुछ असामाजिक तत्वों से ऐसी हरकतें हुईं, जिनमें पुलिस को कांवड़िया वेश धारी फर्जी भक्तों पर लाठियां बरसानी पड़ीं। बस्ती जिले में एक धार्मिक स्थल को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के चलते कांवड़ियों ने हंगामा किया तथा बैरियर एवं पोस्टर उखाड़ कर आग लगा दी।

इस तरह के हालात में हम तो यही कहना चाहेंगे कि जिस भावना से शिवभक्त कांवड़ लेकर निकले हैं, उसकी गरिमा बनाए रखें और अपने किसी कृत्य से आलोचना के पात्र न बनें।वहीं सोशल मीडिया पर जानबूझकर धर्म व संस्कृति विरोधी ताकतें कांवड़ यात्रा के खिलाफ दुष्प्रचार का टूल किट का प्रयोग कर रहे हैं ऐसे लोगों से सावधान रह कर यात्रा की गरिमा और पवित्रता को बनाए रखने के लिए कृतसंकल्प होना चाहिए अपने आसपास मर्यादा तोड़ रहे कांवड़िया वेशधारी को पहले समझाने का प्रयास करें नहीं माने तो पुलिस को सोंप दें। कांवड़ यात्रा को दूषित होने से बचाना सभी श्रद्धालुओं का कर्तव्य है हम मानते हैं कि जो लोग बिना किसी परवाह किए धार्मिक राष्ट्रीय भावना से प्रभावित होकर सैकड़ों हजारों किलोमीटर की कष्ट भरी कांवड़ यात्रा मे जा सकते हैं वह जरूरत पड़ने पर राष्ट्र की रक्षा के लिए सीमा पर भी जा सकते हैं घर बैठ कर सोशल मीडिया पर वायरल चंद रीलों के आधार पर कांवड़ियों के प्रति गलत विचार न बनाए यह भोले नाथ की फौज है जो जरूरत पड़ने पर जेहादियों का जबाव देने मे सक्षम है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी हिस्से पर बांध के निर्माण से भारत, बांग्लादेश पर कोई असर नहीं पड़ेगा : चीन

बीजिंग/भाषा। चीन ने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण कार्य शुरू करने के फैसले का बुधवार को बचाव करते हुए भारत और बांग्लादेश जैसे निचले तटवर्ती देशों पर इसके प्रभाव को लेकर जारी चिंताओं को खारिज किया।

ऐसा माना जा रहा है कि भारत ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े जल विद्युत बांध के निर्माण पर कड़ी नजर रख रहा है।

चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास स्थित न्यिंगची शहर में यारलुंग जांगबो नदी के निचले हिस्से में बांध का निर्माण शुरू किए जाने की घोषणा की। चीन में ब्रह्मपुत्र नदी को यारलुंग त्सांगपो के नाम से जाना जाता है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक संवाददाता सम्मेलन में बांध को लेकर भारत और बांग्लादेश की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस परियोजना का निचले इलाकों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। भारत में इस बांध के संभावित पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस बांध को जल बम के समान बताया था, जो देश के निचले इलाकों में जल प्रलय ला सकता है।

खांडू ने आठ जुलाई को 'पीटीआई वीडियो' को दिए साक्षात्कार में कहा था कि ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए बाध्य कर सकती थी। उन्होंने कहा था, मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वह कब क्या कर बैठे। इस बांध से हर साल 300 अरब किलोवाट घंटे से ज्यादा बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जो 30 करोड़ से ज्यादा लोगों की वार्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। भारत में इस बात को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं कि बांध के आकार और पैमाने के कारण चीन को जल प्रवाह को नियंत्रित करने की ताकत तो मिलेगा ही, साथ ही इससे बीजिंग भारी मात्रा में पानी छोड़ने में सक्षम हो जाएगा, जिससे भारतीय सीमा के क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है।

गुओ ने निचले तटवर्ती राज्यों की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि चीन ने जल विज्ञान संबंधी आंकड़े और बाढ़ की रोकथाम एवं आपदा निवारण के उपाय साझा करके उनके साथ सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि चीन ने इस परियोजना के संबंध में दोनों देशों के साथ आवश्यक बातचीत की है और वह नदी के किनारे रहने वाले लोगों के हित के लिए निचले इलाकों के साथ सहयोग बढ़ाना जारी रखेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यारलुंग त्सांगपो नदी के निचले क्षेत्र में परियोजना का विकास चीन की संप्रभुता का मामला है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का मकसद स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करना, स्थानीय लोगों के जीवन में सुधार लाना और जलवायु परिवर्तन से निपटना है। गुओ ने दावा किया कि चीन निचले इलाकों में जल विद्युत परियोजनाओं की योजना, डिजाइन और निर्माण के मामले में पारिस्थितिकी तंत्र की चौतरफा सुरक्षा के लिए उच्चतम औद्योगिक मानकों का सख्ती से पालन करता है। उन्होंने कहा कि परियोजना के विकास से नदी के किनारे आपदाओं को रोकने में मदद मिलेगी और निचले इलाकों पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पाकिस्तान में बारिश, बाढ़ से मरने वालों की संख्या 234 हुई, पंजाब प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के कई हिस्सों में मानसून की बारिश के कारण बाढ़ आ गई है, जिससे जून के अंत से अब तक 234 लोगों की मौत हो चुकी है और इनमें से ज्यादातर पंजाब प्रांत से हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सरकार द्वारा 22 से 24 जुलाई तक पंजाब में प्रमुख नदियों और आसपास के जलाशयों में बाढ़ के खतरे की चेतावनी के साथ प्रशासन निकासी के प्रयास जारी रखे हुए है और लोगों से अपने मवेशियों के साथ स्थानांतरित होने का आग्रह कर रहे हैं, क्योंकि बाढ़ के पानी की वजह से घरों, खेतों और सड़क बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

अधिकारियों ने बताया कि चेनाब, सिंधु और झेलम नदियों में जलस्तर बढ़ने के कारण पंजाब प्रांत के मुजफ्फरगढ़, डेरा गाजी खान, रहीम यार खान, झांग और ननकाना साहिब के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है।

पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान में मरने वालों की संख्या 223 से बढ़कर 234 हो गई।

एनडीएमए ने मंगलवार को कहा था कि पंजाब सबसे अधिक प्रभावित प्रांत बना हुआ है, जहां 135 लोगों की मौत हो चुकी है और 470 लोग घायल हुए हैं।

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने लाहौर से लगभग 80 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और पीड़ितों के बीच राहत सामग्री वितरित की।

पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि रावी और सिंधु नदियों में भी जलस्तर बढ़ने की सूचना मिली है।

अधिकारी ने बताया कि सिंधु नदी में आई बाढ़ के कारण पंजाब के सैकड़ों गांवों में खड़ी फसलें भी जलमग्न हो गई हैं।

इस बीच, बुधवार को भारी बारिश के कारण खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे मकान क्षतिग्रस्त हो गए और नदियों और नालों में जल स्तर बढ़ गया और इस कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

पूजा

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हुए।

भारत ने विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के गलत शव मिलने संबंधी ब्रिटिश मीडिया की खबर खारिज की

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने ब्रिटिश मीडिया की उस खबर को बुधवार को खारिज किया जिसमें दावा किया गया है कि ब्रिटेन में शोक संतप्त दो परिवारों को अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले उनके प्रियजनों के गलत शव मिले थे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि सभी शवों को बहुत ही पेशेवर तरीके से उनके परिजनों को सौंपा गया था और उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखा गया था।

लंदन जाने वाला एअर इंडिया का एक विमान 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिससे विमान में सवार 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 241 की मौत हो गई थी। इस हादसे में जमीन पर मौजूद 19 अन्य लोग भी मारे गये थे।

मारे गये लोगों में 53 ब्रिटिश नागरिक शामिल थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमने खबर देखी है और जब से ये चिंताएं एवं मुद्दे हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, हम ब्रिटेन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस दुर्घटना के बाद संबंधित अधिकारियों ने स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार मृतकों की पहचान की थी।''

जायसवाल 12 जून के एअर इंडिया विमान हादसे के बारे में 'डेली मेल' में छपी एक खबर के संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे।

टिस्का चोपड़ा ने रियल एस्टेट की जगह फैशन में निवेश की बताई वजह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया कि उन्होंने रियल एस्टेट की बजाय फैशन में निवेश क्यों किया। अभिनेत्री ने हालिया पोस्ट के जरिए जूतों के प्रति अपने आकर्षण को दर्शाया है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपनी लगभग 50 जोड़ी हील्स से घिरी एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में जूतों का एक संग्रह दिखाई दे रहा है, जिसमें हील्स, सैंडल और अन्य स्टाइलिश जूते शामिल हैं। उन्होंने तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, वो कहते हैं कि मैं जूतों की बजाय रियल एस्टेट में निवेश कर सकती थी... लेकिन, आप डुप्लेक्स में नहीं घूम सकते।

अभिनेत्री को आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' के कलाकारों के साथ फिल्म देखने का मौका मिला। स्पोर्ट्स कॉमेडी देखने के बाद टिस्का ने इसे 'दिल से भरा' बताया। उन्होंने फिल्म के कास्ट

और क्रू के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा, आमिर जैसा काम कोई नहीं करता। उन्होंने आमिर के अभिनय और फिल्म मेकिंग की तारीफ करते हुए कहा, यह फिल्म न्यूरो-डायवर्जेंस जैसे संवेदनशील विषय को बेहद खूबसूरती से पेश करती है। यह कोई दुख भरी कहानी नहीं, बल्कि सशक्त और प्रेरणादायक है।

अभिनेत्री ने आगे बताया, न्यूरो डायवर्जेंट किरदारों को सामान्य, खुशहाल और स्वाभाविक तरीके से दिखाया गया है, जो इसे खास बनाता है। उन्होंने फिल्म की कास्ट की तारीफ करते हुए कहा, इनके आसपास रहकर मुझे खुशी महसूस होती है, काम देखकर काफी अच्छा लगा। उन्होंने शंकर-एहसान-लॉय के संगीत और अमिताभ भट्टाचार्य के गीतों की भी सराहना की। अभिनेत्री ने पोस्ट के अंत में लिखा, इसे इतनी खूबसूरती से पेश करने के लिए अपर्णा पुरोहित और आमिर खान प्रोडक्शन को बहुत-बहुत धन्यवाद।

'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ नजर आएंगी राशि खन्ना

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक हरीश शंकर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ एक्ट्रेस राशि खन्ना नजर आएंगी। मंगलवार को फिल्म मेकर्स ने इस बात की जानकारी दी। साथ ही उनके किरदार का खुलासा भी किया। माइथ्री मूवी मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर राशि खन्ना की एक फोटो शेयर की और लिखा, ''हमारी टीम फिल्म में 'श्लोका' का किरदार निभा रही राशि खन्ना का स्वागत करती है। वह अपनी खूबसूरती और प्रतिभा से सेट की रौनक बढ़ा रही हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है।''

इस पोस्ट में उन्होंने पवन कल्याण, डायरेक्टर हरीश शंकर और एक्ट्रेस श्रीलीला को भी टैग किया। राशि खन्ना का किरदार 'श्लोका' दमदार है और कहानी के लिए बेहद जरूरी है। उनका किरदार कहानी में नई ताजगी और गहराई लाएगा। 'उस्ताद भगत सिंह' एक पुलिस एक्शन ड्रामा फिल्म है, जो 2016 की तमिल फिल्म थेरी का रीमेक है। इस फिल्म को माइथ्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं इसका निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। इसके अलावा, फिल्म का शानदार संगीत देवी श्री प्रसाद दे रहे हैं। फिल्म में श्रीलीला, के.एस. रविकुमार, आशुतोष राणा, नवाब शाह, केजीएफ फेम अविनाश, और नागा महेश जैसे कलाकार अहम रोल में दिखाई देंगे।

यह फिल्म राशि खन्ना और पवन कल्याण की पहली फिल्म है, जिसमें दोनों एक साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। हालांकि डायरेक्टर हरीश शंकर के साथ उनकी यह तीसरी फिल्म है। इससे पहले राशि ने हरीश शंकर के साथ 'हाइपर' और 'बंगाल टाइगर' में काम किया था। ये दोनों फिल्में वर्तमान में ओटीटी प्ले प्रीमियम पर देखी जा सकती हैं। पवन कल्याण, जो वर्तमान में आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं, अपने राजनीतिक कार्य और फिल्मों की शूटिंग दोनों को एक साथ संभाल रहे हैं। इस फिल्म के अलावा पवन कल्याण 'हरि हर वीरा मल्लू' में भी नजर आएंगे। 'हरि हर वीरा मल्लू' फिल्म को कृष जगरलामुदी और ए.एम. ज्योति कृष्णा ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म में पवन कल्याण के अलावा बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, नोरा फतेही और विक्रमजीत विर्क अहम किरदार में नजर आएंगे।

काजोल और ट्विंकल खन्ना की जोड़ी नए स्ट्रीमिंग चैट शो में मचाएगी धमाल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल और लेखिका ट्विंकल खन्ना आगामी 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' टॉक शो में साथ आने वाली हैं। शो में दोनों मशहूर हस्तियां मनोरंजक जगत की खास बातचीत करती नजर आएंगी। इस शो में बॉलीवुड और इंडस्ट्री के जाने-माने नाम शामिल होंगे। 'प्राइम वीडियो' इंडिया के निदेशक और ओरिजिनल्स प्रमुख, निखिल मधोक ने एक बयान में इस खबर की पुष्टि की।

उन्होंने कहा, हमें काजोल और ट्विंकल के साथ 'टू मच' की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह अभी तक का पहला टॉक शो है, जिसे भारतीय मनोरंजन जगत की दो हस्तियां होस्ट करेंगी, जो इस शो को नया आगाज देंगी। इस शो में इंडस्ट्री के जाने - माने चेहरे शामिल होंगे। काजोल और ट्विंकल शो में मेहमानों से बातचीत करेंगी। शो में मशहूर हस्तियां मनोरंजक जगत की खास बातचीत करती नजर आएंगी। बनिजय एशिया और एंडेमोल शाइन इंडिया की ग्रुप चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर मृणालिनी जैन ने अपकमिंग टॉक शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल के बारे में अपनी बात की। उन्होंने बताया कि यह शो भारत के सबसे बड़े सितारों के साथ होगा, जो बेबाकी से अपनी राय रखते और मनोरंजन जगत की बातें करते नजर आएंगे। उन्होंने बताया, यह शो काजोल और ट्विंकल के विशिष्ट, निडर और ताजगी भरे अंदाज से भरपूर होगा। शो में दोस्ती, जीवन के अनुभव और खूब हंसी-मजाक देखने के लिए मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा, बनिजय एशिया में, हम ऐसे मौलिक प्रारूप तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो दर्शकों को बांधे रखें, और 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के साथ, हमें प्राइम वीडियो से बेहतर कोई और साथी नहीं मिल सकता था, जो एक ऐसी स्ट्रीमिंग सर्विस है जो भारत में अनस्क्रिप्टेड कंटेंट को नई परिभाषा दे रही है। 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

एकता कपूर संग फिर से काम करना चाहती हैं अंजुम फाकीह

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन अभिनेत्री अंजुम फाकीह ने फिल्म और टीवी शो निर्माता एकता कपूर के साथ दोबारा काम करने की इच्छा जताई। 'कुंडली भाग्य' और 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' जैसे एकता के लोकप्रिय शो में काम कर चुकीं अंजुम ने बताया कि वह एकता की प्रशंसक हैं। अंजुम फाकिह ने कहा कि वह हमेशा से एकता कपूर और शोभा कपूर के काम को पसंद करती हैं और उनकी फैन हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के रीबूट की चर्चा पर कहा, मैं एकता, शोभा आंटी और बालाजी टेलीफिल्म्स की प्रशंसक हूं। अगर मुझे फिर से उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो जरूर हां कहूंगी।

अंजुम नए रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव 'में नजर आएंगी, जिसमें वह शहर की चकाचौंध छोड़कर गांव की सादगी भरी जिंदगी को अपनाती लड़की के रूप में दिखेंगी। शो के बारे में उन्होंने कहा, हम शहर की लड़कियां हैं। गांव की जिंदगी का अनुभव करने का मौका कौन छोड़ेगा? यह कॉन्सेप्ट बहुत नया और रोमांचक है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा शो पहले कभी देखा गया है। दर्शकों को यह देखना मजेदार लगेगा कि शहर की लड़कियां गांव में कैसे ढलती हैं। अंजुम ने बताया कि वह गांव में पैदा हुई थीं, लेकिन

15 साल से वहां नहीं गईं। अब एक नए गांव में जाना उनके लिए अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वहां क्या होगा, लेकिन यही उत्साह और अनिश्चितता इस शो को मजेदार बनाती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गांव के पारंपरिक काम उनके लिए नए हैं। उन्होंने बताया, मैंने चूल्हे पर खाना बनाना या गांव के काम सिर्फ टीवी और फिल्मों में देखे हैं। मेरी दादी गर्मियों में गांव में यह सब करती थीं, लेकिन मैंने कभी कोशिश नहीं की।

चूल्हे पर खाना बनाने की बात पर उन्होंने हंसते हुए कहा, चूल्हा जलाने पर धुआं आंखों में बहुत चुभता है। मुझे नहीं पता मैं यह कैसे मैनेज करूंगी! जी टीवी का यह रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव' रणविजय सिंह होस्ट करेंगे। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी की चुनौतियों का सामना करती नजर आएंगी।

हेलन, रेखा और माधुरी से मिली शिल्पा शेट्टी को खास प्रेरणा, कहा- इनको देखकर ही सीखा सब कुछ

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का लोकप्रिय डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' करीब 4 साल बाद फिर से वापस आ गया है। इस बार शो में और भी ज्यादा जोश और उत्साह देखने को मिलेगा। इस सीजन में देशभर से चुने गए 12 टैलेंटेड बच्चे हिस्सा ले रहे हैं, जो स्टेज पर धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये कंटेस्टेंट न सिर्फ शो के जजों को बल्कि लाइव ऑडियंस को भी अपने डांस से इंप्रेस करेंगे। इस शो के दौरान जज और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की और कुछ इमोशनल बातें भी शेयर कीं।

उन्होंने बताया कि उनकी जिंदगी और करियर में तीन खास महिलाओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है। शिल्पा शेट्टी ने कहा, ''मेरी जिंदगी में हमेशा तीन ऐसी महिलाएं रही हैं, जिन्होंने मुझे प्रेरित किया है। ये तीन महिलाएं हेलन जी, रेखा जी और माधुरी दीक्षित जी हैं। हेलन जी की खासियत यह थी कि वो चाहे कुछ भी पहनें या कोई भी डांस करें, वो कभी भी बुरा नहीं लगता था।

रेखा जी की आंखों में इतना असर था कि वो सिर्फ अपनी नजरों से बहुत कुछ कह देती थीं। उनका लिप-सिंक और एक्सप्रेशन कमाल के थे।'' उन्होंने आगे कहा, ''माधुरी दीक्षित जी के हर परफॉर्मेंस में एक अलग ही अंदाज होता है। मैंने डांस करना माधुरी दीक्षित के वीडियो को देखकर ही सीखा है। ये तीनों कलाकार हमेशा से मेरी एक बड़ी प्रेरणा रही हैं।''

अपनी मां के बारे में बात करते हुए शिल्पा भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि आज वो जिस मुकाम पर हैं, उसका सबसे बड़ा श्रेय उनकी मां को जाता है, क्योंकि उनकी मां ने हमेशा उनका बिना शर्त साथ दिया और हर मोड़ पर उनका हौसला बढ़ाया। शिल्पा ने कहा, ''मेरी मां ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है, जितना कोई सोच भी नहीं सकता। जब मैं 17 साल की थी, तब बहुत मासूम थी और ज्यादा कुछ नहीं जानती थी। उस वक्त मेरी मां मेरे साथ घूमती थीं, और करीब 10 साल तक उन्होंने इस तरह से मेरा पूरा साथ दिया। उन्होंने मुझे सबसे पहले रखा। वह मेरी मां ही नहीं, बल्कि मेरी मैनेजर, सलाहकार और सबसे बड़ी आलोचक भी थीं। मैं जो कुछ भी आज हूं, वो सब अपनी मां की वजह से हूं।'' इस सीजन में फिर से जजों की तिकड़ी में शिल्पा शेट्टी, गीता कपूर, और मर्जी पेस्तोंजी शो में नजर आएंगे। 'सुपर डांसर चैप्टर 5' हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

रश्मिका मंदाना ने लॉन्च किया अपना फ्रेगरेंस ब्रांड

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपने फ्रेगरेंस ब्रांड के लॉन्च की घोषणा की है। उन्होंने इस मौके पर कहा है कि परफ्यूम उनके लिए एक ऐसी चीज है, जो अक्सर उन्हें उन खास पलों में वापस ले जाता हैं, जिन्हें वह भूल जाती हैं। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का परफ्यूम ब्रांड 'डियर डायरी' मेरे निजी जीवन के अनुभवों और विचारों से प्रेरित है। अभिनेत्री ने बताया, मेरे लिए, खुशबू का मतलब यादें हैं। मुझे बहुत सी बातें याद नहीं रहतीं, या शायद कुछ चुनिंदा बातें ही याद रहती हैं, लेकिन परफ्यूम उन खास पलों को फिर से ताजा कर देता है जिन्हें मैं शायद भूल जाती हूं। इसी तरह से मैं उन लोगों, जगहों और अनुभवों को याद रखती हूं, जिनकी वजह से मैं आज जो कुछ भी बन पाई हूं।

उन्होंने आगे कहा कि 'डियर डायरी' के जरिए वह सभी को अपनी कहानियों में साथ ले जाने का एक तरीका देना चाहती हैं। रश्मिका ने बताया, उनके परफ्यूम को लॉन्च करने का मकसद बस खुद से जुड़ना, सुकून महसूस करना, एक अच्छा अहसास पाना और बिना किसी झिझक के अपनी

पहचान बताना है।

रश्मिका ने अपने नए फ्रेगरेंस ब्रांड के बारे में बात करते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह वाकई मेरे दिल के बहुत करीब है। यह सिर्फ एक ब्रांड नहीं है, न ही परफ्यूम है, बल्कि मेरा एक हिस्सा है। खुशबू हमेशा से मेरी निजी जिंदगी का एक अहम हिस्सा रही है... और आज मैं आपके साथ इसको साझा कर रही हूं। उन्होंने कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यह ब्रांड लॉन्च करने का मौका मिला और मैं इसको लेकर काफी उत्साहित भी हूं। मुझे उम्मीद है कि इसे आगे बढाने के लिए मुझे आप सभी का साथ मिलेगा। इस घोषणा से पहले भी अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा की थी।

उन्होंने एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना गया था, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैं आखिरकार इसे रिकॉर्ड कर रही हूं। जैसा कि आप अब तक जानते ही होंगे, मैं अपने दिल के बहुत करीब किसी चीज पर काम कर रही हूं। यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मैंने आपके लिए मेरा जीवन का एक छोटा सा हिस्सा भी है। रश्मिका ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि आप इसे महसूस करेंगे, मुझे उम्मीद है कि आपको यह पसंद आएगा, यह कल लॉन्च हो रहा है, और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 24-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

बाकी सारे काम बाद में करने चाहिए पहले जिनवाणी को स्थान देना चाहिए। हम चाहते हैं कि सारे काम निपटने के बाद धर्म ध्यान करें पर संसार हमें कभी फुर्सत नहीं देता। एक काम खत्म होता है तो दूसरा आ जाता है। हम बीच से उठकर चले जाते हैं तो वहाँ धर्म नहीं होता। सारथी ऐसा व्यक्ति होता है, जो सबकी चिंता करता है, सबको सही राह दिखाता है, और ऐसे ही लोग बहुत आगे बढ़ते हैं, आज अगर हम अपने आसपास नजर डालें तो पता चले कि समाज और संस्था में अब ऐसे लोग नहीं बचे।

तेरापंथ महिला मंडल की साधारण सभा में हेमलता नाहर बनी अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के तेरापंथ सभा भवन में तेरापंथ महिला मंडल की साधारण समा का आयोजन साध्वीश्री उदितयशाजी म. सा. के नमस्कार महामंत्र से हुई। पूर्व अध्यक्ष पुष्पा हिरण ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। सहमंत्री वंदना पगारिया ने गत साधारण सदन रिपोर्ट का वाचन किया एवं सदन द्वारा पारित करवाया। अध्यक्ष लता पारख ने सभी का स्वागत करते हुए दो वर्षीय में मिलें सहयोग के लिए सभी सदस्यों को, संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों को एवं पारिवारिकजनों का धन्यवाद दिया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रीमा सिंघवी ने महिला मंडल के संविधान का वाचन किया।

महिला मंडल की मंत्री हेमलता नाहर एवं कन्या मंडल संयोजिका खुशी धोका, एवं सह संयोजिका तनीषा बाफना ने अपने दो वर्षीय कार्यकाल के दौरान सम्पूर्ण कार्यक्रमों को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया, सम्पूर्ण सदन ने ऊं अर्हम की ध्वनि से पास किया। कोषाध्यक्ष पूनम छाजेड़ ने आय व्यय का ब्यौरा सदन के सामने रखा और उसे पारित कराया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य माला कातरेला एवं दिपा पारख ने शुभकामनाएं सम्प्रेषीत करते हुए दो वर्षीय सफलतम कार्यकाल की बधाइयां दीं। प्रथम सत्र का कुशल संचालन मंत्री हेमलता नाहर ने किया। सहमंत्री श्रीमती कंचन भंडारी ने पहले सत्र के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन किया। द्वितीय सत्र में आगामी वर्ष के लिए हेमलता नाहर को अध्यक्ष चुना गया। सत्र का संचालन शांति दुधोडिया ने किया।

राजस्थान एसोसिएशन के वॉलीबॉल टूर्नामेंट में विजयी रहा एजी जैन स्पोर्ट्स क्लुब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डीजी वैष्णव कॉलेज में राजस्थान एसोसिएशन द्वारा आयोजित वॉलीबॉल टूर्नामेंट का समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया और सभी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। अंततः एजी जैन स्पोर्ट्स क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बना। टीम की इस जीत में सभी खिलाड़ियों का उत्कृष्ट योगदान रहा, लेकिन विशेष रूप से 17 वर्षीय अनुज पिंचा के शानदार खेल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनके दमदार प्रदर्शन के चलते उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। अन्य खिलाड़ियों ने भी अहम भूमिका निभाई, जिनमें अनुज के बड़े भाई प्रतीक पिंचा, टीम के कप्तान अरुण जैन, प्रदीप दोशी, जीतू माली, सुरेंद्र छाजेड़, जीवराम पटेल, जबराराम माली प्रमुख रहे। टीम के वरिष्ठ एवं अनुभवी खिलाड़ी दलजीत सिंह ढुढा का भी इस जीत में महत्वपूर्ण योगदान रहा। टूर्नामेंट के अंत में राजस्थान एसोसिएशन द्वारा विजेता टीम को सम्मानित किया गया और खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई।

निःशुल्क नेत्र शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में बुधवार को 24वा निशुल्क नेत्र शिविर लगाया गया। यह शिविर नेमीचंदजी कमला देवी सिंघवी, कुचेरा संगम ग्रुप, और एम एन आई हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया था। शिविर में महिपाल सिंघवी, रणजीत शाह, डॉ.योगीता और हितेश का योगदान रहा। जिसमें 54 लोगों ने निशुल्क आंखों की जांच कराई, 9 लोगों को चश्मे दिए जाएंगे और 1 व्यक्ति की निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन कराया जाएगा।

केएमवाईएफ के कृत्रिम पांव शिविर से 450 रोगी हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा कार्य में अग्रणी कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन द्वारा रविवार को केएमवाईएफ कृत्रिम पैर योजना के तहत 450 से अधिक जरूरतमंदों को कृत्रिम पैर लगाए गए। इस अवसर पर कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य एवं जनकल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम को आदिचुनचुनगिरि मठ के प्रमुख डॉ. निर्मलानंदनाथ स्वामीजी का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संस्था की ओर से प्रायोजक बी. देवराज व उपस्थित अन्य सदस्यों ने धन्यवाद दिया।

ज्ञातव्य है कि कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन द्वारा कृत्रिम पांव योजना, मोबाइल डेंटल वैन योजना, डायलिसिस योजना एवं शिक्षा योजना नियमित रूप से संचालित है। समय-समय पर राज्य के विविध भागों में रोगियों की सुविधा के लिए शिविरों का आयोजन भी संस्था करती रहती है। इसके अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि संस्था द्वारा यह सभी योजनाएं मानव कल्याण हेतु जन साधारण के लिए निःशुल्क चलाई जा रही है, जो मानव सेवा का एक जीवंत उदाहरण है।

नायक तो लायक को ही बनाना चाहिए : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने बुधवार को प्रवचन में कहा कि बाकी सारे काम बाद में करने चाहिए पहले जिनवाणी को स्थान देना चाहिए। हम चाहते हैं कि सारे काम निपटने के बाद धर्म ध्यान करें पर संसार हमें कभी फुर्सत नहीं देता। एक काम खत्म होता है तो दूसरा आ जाता है। हम बीच से उठकर चले जाते हैं तो वहाँ धर्म नहीं होता। उन्होंने परदेसी की कहानी को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि सारथी ऐसा व्यक्ति होता है, जो सबकी चिंता करता है, सबको सही राह दिखाता है, और ऐसे ही लोग बहुत आगे बढ़ते हैं, आज अगर हम अपने आसपास नजर डालें तो पता चले कि समाज और संस्था में अब ऐसे लोग नहीं बचे। जो उसकी चिंता करें और एकता के साथ उसे आगे बढ़ाएं आजकल तो लोग अपने नाम को आगे लाने के लिए गलत व्यक्ति को ज़िम्मेदारी सौंप देते हैं। नायक वही होता है जो योग्य को बनाता है। इसीलिए नायक तो योग्य को ही बनाना चाहिए जिससे संस्था और समाज ऊपर उठे। समाज क्या होता है? जैसे एक एक धागे से वस्त्र बनता है, एक एक मोती से माला बनती है, वैसे ही एक एक सदस्य से समाज बनता है। इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया, दिलीप मरलेचा, सुनील बाफना और मंच संचालक विनयचंद पावेचा उपस्थित रहे।

सम्यक्त्व आत्मा की गहराई में स्थिर हो, यही समकित का सार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यासश्री विमलपुण्य विजयजी ने बुधवार को महोपाध्याय यशोविजयजी महाराज द्वारा रचित 'समकित के 67 बोल' ग्रंथ की गूढ़ताओं को सरलता से उजागर करते हुए कहा कि यह ग्रंथ सम्यक्त्व के अनुपम तत्त्वों का संक्षिप्त सार है, जिसे सहज भाषा में प्रस्तुत किया गया है ताकि जीव आत्मा में सम्यक्त्व को दृढ़ता से स्थिर कर सके। उन्होंने एक प्रभावशाली दृष्टांत के माध्यम से बताया कि एक ब्राह्मण, जो जैनत्व को स्वीकार नहीं करता था, उसने एक श्लोक के अर्थ की खोज में जैन साध्वी से मार्गदर्शन मांगा। साध्वी ने उसे अपने गुरु के पास भेजा, जहां ब्राह्मण ने श्लोक समझने हेतु दीक्षा स्वीकार कर ली। अध्ययन के क्रम में जब वही श्लोक पुनः सामने आया, तब तक वह ब्राह्मण सम्यक्त्व को प्राप्त कर चुका था और उसकी आत्मा में ज्ञान का अद्भुत प्रकाश फैल चुका था। उन्होंने आगे चलकर 1444 नूतन ग्रंथों की रचना की और जिनशासन की ज्ञान-परंपरा को समृद्ध किया। पंन्यासश्री ने आगे कहा कि गृहस्थ जीवन में प्रतिदिन विराधनाएं होती हैं, जिनके प्रायश्चित स्वरूप 'मिच्छामि दुक्कड़ं' मांगा जाता है। यह ग्रंथ सम्यक्त्व को व्यवहार और निश्चय दोनों स्तरों पर स्पष्ट करता है। जैसे एक चिकित्सक रोगी को आरोग्य के लिए दिशा-निर्देश देता है, वैसे ही महोपाध्यायजी ने इस ग्रंथ में आत्मकल्याण के 67 सूत्र (टिप्स) दिए हैं। उन्होंने सम्यक्त्व को आत्मसात करने की तीन प्रमुख तैयारियों की बात की। इसके लिए सुनने की तैयारी, तर्क और विवेक से समझने की इच्छा और आत्मा में स्थिर करने का संकल्प होना चाहिए।

मनुष्य जन्म अनमोल : वीरेन्द्र मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सैदापेट के बाजार रोड़ स्थित एसएस जैन संघमें विराजित परम पूज्य श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा. ने सुखविपाक सूत्र वाचन करते हुए बताया कि गृहस्थ जीवन मामूली जीवन नहीं है। जिम्मेदारी का पालन करते हुए भी पहले के श्रावक श्राविका धर्म आराधना करते थे। शुद्ध भाव से धर्म की पालना करते थे। आजकल धर्माराधना तो कम होती है और उसमें भी धर्म अशातना अधिक होती है। धार्मिक किताबों को, मुखपट्टियों को इधर उधर रख देते है, छोड़ जाते हैं। प्रवचन सुनते सुनते, धर्म की बातें सुनते सुनते जीवन व्यतीत हो गया पर अब तक क्या सिखा क्या जाना? इसपर भी चिंतन करना चाहिए। ये आत्मा कितनी बार भ्रमण करते करते मनुष्य जन्म को पाई है, पूर्व जन्म के पुण्य से मनुष्य जन्म मिला और उसमें भी जैन कुल मिला इसे व्यर्थ मे न गवाएं। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने गुरुदेव के प्रवचन को दोहराते हुए कहा कि किए हुए कर्म तीर्थंकरों को भी भुगतना पड़ा इसलिए हर जीव को साता पहुंचानी चाहिए कभी किसी जीव को सताना नहीं चाहिए।

जिन्दगी का संबल और पाथेय है उपकारी का स्मरण : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड़ भवन में विराजित क्रांतिकारी प्रवचनकार ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने बुधवार को प्रवचन के दौरान कहा जीवन पथ पर संभल संभल कर चलने वाला सफल होता है गफलत में जीने वाला भटक जाता है। आत्म हितैषी व्यक्ति को जीवन के प्रति जागरूक बनना चाहिए। अपने मन के नकारात्मक भावों के प्रति सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को धार्मिक बनने के पहले नैतिक बनना जरूरी है नैतिकता के अभाव में कोरी धर्म की क्रिया सार्थक परिणाम देने में सक्षम नहीं है। नैतिकता पहली सीढ़ी है और धार्मिकता दूसरी सीढ़ी है पहली सीढ़ी पर कदम रखे बगैर दूसरी सीढ़ी पर नहीं पहुंचा जा सकता है। धर्म रूपी इमारत की नैतिकता मजबूत नींव है। जो अपने ज्ञान, विवेक और अनुभव के आलोक में जीवन पथ पर आगे बढ़ता है उसे मुश्किलों का सामना करने की नौबत से गुजरना नहीं पड़ता। ज्ञानी व्यक्ति हर मुश्किल में विकास का अवसर ढूंढ लेता है वहीं अज्ञानी को हरेक अवसर में मुसीबत ही नजर आती हैं। सभा का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

श्रावण मास में सिंजारे एवं दादी का मंगल पाठ सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। दादी परिवार द्वारा श्रावण मास में सिंजारे एवं राणी सती दादी का मंगल पाठ गणेश मन्दिर रायपुरम में सुबह गणेश वन्दना के साथ चालू हुआ।

मंगलपाठ महाआरती एवं महाप्रसाद में बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया। महिलाओं ने मिलकर आपस में दादी को मीठे मीठे भजनों से रिझाया।

दादी परिवार की अध्यक्ष शिलाशाह एवं दादी परिवार कि पदाधिकारी बीरा कामदार, मिनाक्षी सरावगी, चंदा डिडवानिया, सरिता तुलस्यान, प्रभा तोदी, सुमन गुप्ता, अर्पिता उपस्थित रही।

अग्रवाल विद्यालय की शानदार उपलब्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के छात्र विभिन्न प्रकार की राष्ट्रीय और राज्य स्तर की खेल प्रतियोगिता में दिन प्रतिदिन विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। मंगलवार को नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित सम्मान समारोह में उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत कर उनका मनोबल बढ़ाया। इस शानदार उपलब्धि के लिए विद्यालय के अध्यक्ष मधुसूदन खेमका, सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया एवं समस्त समिति सदस्यों, प्रधानाचार्या श्रीविद्यालक्ष्मी आदि ने छात्रों के भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

धर्मपरिवर्तन करने और करवाने वाले दोनों ही अज्ञानी है : कमल मुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्र संत कमल मुनिजी कमलेश ने संबोधित करते हुए कहा कि धर्म आदान-प्रदान, अथवा खरीदने और बेचने की वस्तु नहीं, परंपराओं से इसका कोई संबंध नहीं, महापुरुषों की शिक्षाओं को आचरण में लाना सच्चे अर्थों में धर्म पालन करना है। धर्म परिवर्तन करने वाले और करवाने वाले दोनों ही अज्ञानी है। धर्म और मानवता के कट्टर दुश्मन है। लालच और भय जहां होता वहां धर्म का निवास नहीं होता। उन्होंने कहा कि लाभ और लालच के वशीभूत होकर किया गया परिवर्तन टिकाऊ नहीं बिकाऊ होता है। कल ज्यादा लालच देने वाला मिला तब बदलने में देरी नहीं लगेगी। मुनि कमलेश से बताया कि धर्म की आढ में खरीद फरोख्त का गोरख धंधा धर्म परिवर्तन करने और करवाने वाले के लिए धर्म अभिशाप का कारण बनेगा। धर्म का संबंध धन वैभव जाति से नहीं भावों से है जितने पवित्र भाव उतना ही महान धार्मिक। राष्ट्र संत ने कहा कि जितना समय शक्ति और पैसा संप्रदाय परिवर्तन में लगाए जा रहा है, उतना ही सांप्रदाय परिवर्तन नहीं हृदय परिवर्तन पर जोर दिया जाए वह स्थाई होगा आत्म कल्याण में सहयोगी बनेगा। धरती पर मानवता की स्थापना होगी। बाहरी परिवर्तन क्या सियाल को शेर की खाल ओढा कर शेर बन देंगे। धर्म का संबंध स्वयं की आत्मा के साथ अच्छे-अच्छे और कर्मों से है। धर्म गुरुओं को धार्मिकता में प्रवेश के लिए न्यूनतम आचार संहिता बनानी चाहिए। सभा का संचालन सज्जन राज सुराणा ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
के 13वे स्थापना दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं

श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई
नंबर : 18 एकंबरेश्वर अग्रहराम, चेन्नई 600 003
फोन नंबर.: 044 25351295, 9677009476

मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट
श्री माहेश्वरी महिला मंडल
श्री माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब
श्री माहेश्वरी सत्संग समिति
श्री माहेश्वरी क्लब
श्री माहेश्वरी युवा मंडल

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.